1 Ambikapur-pg 1-0_Layout 1 1/1/2026 10:29 PM Page 1

तापमान
अधिकतम 34 डिग्री
न्यूनतम 21 डिग्री

हरिभूमि
सरगुजा-कोरिया भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार, 2 जनवरी 2026

अम्बिकापुर | सूरजपुर | बलरामपुर | विश्रामपुर | लखनपुर | रामानुजगंज

2 नए साल के जश्न में डूबे रहे जिलेवासी

खबर संक्षेप

बोधराम चौहान को मिली पीएचडी की उपाधि

अम्बिकापुर। शासकीय श्यामाप्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय सीतापुर के सहायक प्राध्यापक बोधराम चौहान को उल्टापानी के भौतिक गुणों के अध्ययन पर एसजीजीयू द्वारा शोध उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने अपना शोध शासकीय नवीन महाविद्यालय लखनपुर के प्राचार्य डॉ.एसके श्रीवास्तव के निर्देशन में किया है। बोधराम चौहान ने अपने शोध प्रबंध में मैनपाट के बिसरा पानी स्थित उल्टा पानी के पानी, पत्थर, वनस्पति, जलवायु, तापमान, चुबंकीय लक्षण, ऑप्टिकल, इलूजन, समुद्र के सतह से विश्लेषण, प्रतिरोधक क्षमता, गतिशीलता तथा ओवेश युक्त पानी का विस्तृत अध्ययन किया है। चुम्बकीय लक्षण का परीक्षण भारतीय भूगर्व संस्थान मुंबई से कराया गया तथा लद्दाख में कुछ क्षेत्रों में इस प्रकार की घटनाओं का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। विभिन्न पाइंट पर गुरूत्वाकर्षण का मापन किया गया है जिसमें ऑप्टिकल इलूशन, चुबंकीय परिवर्तन शीलता, गुरूत्व में परिवर्तन जैसे लक्षण पाए गए है।

1 से कई ट्रेनों के टाइम टेबल में हुआ बदलाव

बिश्रामपुर। एक जनवरी से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से प्रारंभ होने वाली यात्री ट्रेनों के समय सारिणी में आंशिक परिवर्तन किया गया है,अंबिकापुर अनूपपुर अंबिकापुर,दुर्ग सेक्शन से चलने वाली तीन ट्रेनों के समय में भी मामूली बदलाव हुआ है,जिसमें दुर्ग से अंबिकापुर चलने वाली दुर्ग अंबिकापुर एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 18241 अब दुर्ग से 20 मिनट विलम्ब से अंबिकापुर के लिए रवाना होगी,पहले उक्त ट्रेन रोजाना रात्रि 8:45 बजे दुर्ग से रवाना होती थी,अब नए समय के मुताबिक यह रात्रि 9:05 मिनट में दुर्ग से अंबिकापुर के लिए रवाना होगी,इसी प्रकार अंबिकापुर शहडोल मेमू गाड़ी संख्या अब दस मिनट विलम्ब से दोपहर 12.20 की जगह 12.30 बजे अंबिकापुर से शहडोल के लिए रवाना होगी जबकि अंबिकापुर अनूपपुर मेमू गाड़ी संख्या 68758 रोजाना शाम 6 बजे की जगह 6.10 मिनट में अंबिकापुर से अनूपपुर के लिए रवाना होगी,बता दें कि एक जनवरी से बिलासपुर रेल मंडल में संचालित होने वाली 55 एक्सप्रेस सहित 8 पैसेंजर ट्रेनों के परिचालन अवधि में मामूली बदलाव किया गया है,यह समय अवधि दस,बीस मिनट से लेकर अधिकतम 25 मिनट तक बताई गई है।

नियमों के उल्लंघन पर एमवी एक्ट के तहत होगी कार्रवाई

बलरामपुर। जिले में सड़क सुरक्षा माह के तहत परिवहन नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु परिवहन विभाग द्वारा आम नागरिकों के लिए सूचना जारी की गई है। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि बिना वैध फिटनेस प्रमाण पत्र, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र, परमिट, पंजीयन क्रमांक प्लेट अथवा बिना पंजीयन के किसी भी प्रकार के वाहन का उपयोग न करें। ऐसे वाहनों का उपयोग करते पाए जाने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की जाएगी। वहीं अन्य राज्यों से आए वे वाहन जो छत्तीसगढ़ राज्य का मोटरयान कर अदा किए बिना जिले में चलित हैं तो उनसे छत्तीसगढ़ मोटरयान कराधान अधिनियम एवं नियम, 1991 के अंतर्गत मोटर वाहन कर वसूला जाएगा। वाहन स्वामियों से अनुरोध किया गया है कि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए समय रहते छत्तीसगढ़ राज्य का मोटर वाहन कर अवश्य रूप से जमा करें।यदि कोई वाहन अन्य राज्य में पंजीकृत है, लेकिन वाहन स्वामी छत्तीसगढ़ का निवासी है तथा वाहन के पंजीयन प्रमाण पत्र में स्थायी पता छत्तीसगढ़ दर्ज है, तो यह माना जाएगा कि वाहन का उपयोग छत्तीसगढ़ राज्य में ही किया जा रहा है बिना छत्तीसगढ़ के टैक्स पटाए तो ऐसी स्थिति मे टैक्स जमा नहीं होने पर पंजीयन तिथि से वाहन पकड़े जाने की तिथि तक का मोटरयान कर वसूला जाएगा। अन्य राज्यों में पंजीकृत वाहनों के लिए या तो छत्तीसगढ़ राज्य का मोटरयान कर अदा करें, अथवा संबंधित राज्य से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर छत्तीसगढ़ राज्य में वाहन का पंजीयन कराएं।

गांव तक नहीं बन पाई सड़क, शव को खाट पर लादकर पीएम कराने पहुंचे परिजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

सरगुजा के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचविहीनता आज भी अभिशाप बनी हुई है। दुर्गम पहाड़ी रास्तों से

- सीतापुर विस क्षेत्र के भारतपुर लकरालता का मामला, वायरल हुआ वीडियो, 5 किमी तक कंधे पर शव लेकर चले ग्रामीण

होकर गुजरने वाली बस्तियों में रहने ग्रामीणों का जीवन कठिन हो गया है। साल भर उन्हें आवागमन की परेशानियों का सामना तो करना ही पड़ता है लेकिन स्थिति तब और बिगड़ जाती है जब किसी की तबियत खराब हो जाए या फिर कोई और बड़ी मुसीबत आ जाए। जिले के पहुंचविहीन क्षेत्र भारतपुर लकरालता से कुछ ऐसी ही तस्वीर सामने आई है जहां सड़क मार्ग नहीं होने के कारण शव को पीएम कराने के लिए खाट पर लादकर चलना पड़ा। कड़ी मशक्कत के बाद शव लेकर अस्पताल पहुंचे परिजन पीएम कराने के बाद फिर से उसी रास्ते से शव लेकर वापस गांव लौटे। अब इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है हालांकि इस घटना को लेकर विधायक सीतापुर का बयान भी सामने आया है और उन्होंने जल्द ही सड़क निर्माण का कार्य शुरू होने की बात कही है।

बताया जा रहा है कि सीतापुर विकासखंड के ग्राम भारतपुर के लकरालता निवासी 45 वर्षीय सुरेन्द्र तिर्की का शव 31 दिसम्बर को गांव के चीनी-पानी तालाब में मिला था। ग्रामीण के डूबने से मृत्यु होने की शंका जताई जा रही थी। ग्रामीण 29 दिसंबर को सुबह 11 बजे घर से मछली मारने के नाम पर निकला था और वापस घर नहीं लौटा जिसके बाद परिजन ने 30 दिसम्बर को सीतापुर थाना में इस मामले की शिकायत दर्ज कराई थी और उसकी तलाश की जा रही थी। इधर शव मिलने के बाद मृतक का पीएम कराना जरुरी था लेकिन मोहल्ले तक सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है।

हालांकि क्षेत्र के भारतपुर तक सड़क का निर्माण हो गया है लेकिन इसके आगे 5 किमी का रास्ता बेदम दुर्गम है और चार पहिया वाहन से आवागमन संभव नहीं है।

खाट पर रख शव ले जाते ग्रामीण।

किया 5 किमी का सफर

बताया जा रहा है कि सड़क नहीं होने व दुर्गम मार्ग होने के कारण मृतक के परिजन मजबूरन शव को खाट पर लादकर निकले। लगभग 5 किमी का सफर करने के बाद ग्रामीण शव लेकर पंचायत तक पहुंचे जिसके बाद शव को वाहन के सहारे अस्पताल लाया गया और पीएम उपरांत शव को परिजन के सुपुर्द किया गया। दिनभर कड़ी मशक्कत कर शव लेकर अस्पताल आए ग्रामीण फिर उसी तरह से वापस गांव लौटे जिसके बाद मृतक का अंतिम संस्कार हो सका। हालांकि लोगों का लकरालता टोला पहाड़ी क्षेत्र में बसा हुआ है जहां 13-14 परिवार ही रहते है। आवागमन हेतु वन विभाग की कच्ची सड़क है और नाले पर पुलिया का निर्माण नहीं होने के कारण स्थिति विषम हो गई है। अब इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद कांग्रेस ने भी प्रदेश सरकार पर हमला बोला है और विकास के दावों पर सवाल उठाए है।

किया जा चुका है भूमिपूजन : टोप्पो

इस मामले में अब सीतापुर विधायक राम कुमार टोप्पो का भी बयान आया है। उन्होंने कहा कि भारतपुर पंचायत के लकरालता में स्वयं 2 बार जा चुके है और ग्रामीणों को आश्वासन दिया गया है कि 8-9 माह में सड़क का काम शुरू हो जाएगा, भूमिपूजन किया जा चुका है। बारिश के कारण काम रुका हुआ था और जनवरी से निर्माण शुरू होने के बाद सुरम रास्ता मिलता। यह घटना दुखद है, ऐसी परिस्थिति वाले बसाहटों को बेहतर बनाने के लिए तेजी से प्रयास किए जा रहे है और कई बसाहटों की समस्या दूर की गई है।

पिकनिक स्पाट एवं पार्क में परिवार के साथ पहुंचे लोग

लोगों ने मंदिरों में पूजा-अर्चना कर की नव वर्ष के दिन की शुरुआत

महामया मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़।

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

नए साल की खुशियां मनाने आज पिकनिक स्थलों पर लोगों की अच्छी खासी भीड़ देखी गई। लोगों ने दिन की शुरुआत मंदिर, मस्जिद व गुरुद्वारा में मत्था टेक कर किया। महामाया मंदिर, साड़बार मंदिर सहित सभी शक्तिपीठों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा वहीं सबसे अधिक भीड़ महामाया मंदिर में देखी गई जहां तड़के से ही श्रद्धालु कतार में खड़े नजर आए। आज पूरे दिन नए वर्ष की शुभकामनाएं को दौर चलता रहा। इस बीच किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो इसके लिए पिकनिक स्थलों पर पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी।

खास बात

- महामाया मंदिर में तड़के से ही लगी श्रद्धालुओं की कतार

31 दिसम्बर की शाम से ही नए साल का स्वागत करने लोगों ने अपने-अपने स्तर पर तैयारियां कर रखे थे। शहर के गली-मोहल्लों में युवाओं की टोली नए साल के जश्न के लिए डीजे की व्यवस्था की थी जो देर शाम से ही डीजे के धुन से थिरकते नजर आए। शहर के लगभग प्रायः सभी होटलों में नए साल के जश्न के लिए बुक कर लिया गया था जहां देर रात तक नए वर्ष का कार्यक्रम चलता रहा। रात 12 बजे के बाद लोग नए साल का स्वागत आतिशबाजी के साथ केक काटकर किया। जिसके बाद लोगों ने एक दूसरे को नए साल के आगमन पर बधाइयां दी। नए साल की बधाइयां का दौर आज पूरे दिन चलता रहा। साल के पहले दिन सभी समुदाय के लोगों ने मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा पहुंचे जहां विधि-विधान से पूजा अर्चना कर दिन की शुरुआत किया।

पिकनिक स्थल व पार्क में उमड़ी लोगों की भीड़

नए साल पर आज लोगों ने अपने परिवार व दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने पहुंचे। शहर के संजय पार्क, वाटर पार्क, सेन्टरी पार्क, ऑक्सीजन पार्क में लोगों की काफी भीड़ देखी गई। लोग अपने साथ लाए व्यंजनों का लुत्फ उठाते देखे गए तो वहीं बच्चों ने झूला का भरपूर आनंद लिया। इसके अलावा शहर से लगे बाकी बांध, घुनघुट्टा बांध सहित सभी पिकनिक स्थलों पर भी लोग परिवार के साथ बड़ी संख्या में पिकनिक मनाने पहुंचे।

जाम से बढ़ी परेशानी

शहर के संजय पार्क व वाटर पार्क में लोग चार पहिया व बाइक से बड़ी संख्या में पहुंचे थे। वाहनों के सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से खड़ा कर देने से मार्ग में हर पल जाम की स्थिति बनती रही। हालांकि यातायात पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी परंतु वाहनों के ज्यादा होने से यातायात बहाल करने उनके पसीने छूटने लगे।

तैनात रहे पुलिसकर्मी

शहर के सभी चौक चौराहों पर असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने 31 दिसम्बर की रात से चौक चौराहों पर पुलिस की तैनाती की गई थी जो रात से हुड़दंग कारियों पर नजर रखे थे। अलावा बांध के आसपास पुलिस व तैराक की व्यवस्था की गई थी।

महामाया मंदिर परिसर में लगी आग

नव वर्ष के पहले दिन आज बड़ी संख्या में लोग महामाया मंदिर पूजा-अर्चना करने पहुंचे। मंदिर परिसर में उस समय अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई जब अचानक मन्नत के सूत व चुनरी बांधे स्थान में आग लग गई। अंदेशा लगाया जा रहा है कि आग अगरबत्ती या दीप से लगी थी। हालांकि आग को कुछ समय बाद ही पानी डाल कर बुझा दी।

नववर्ष के पहले दिन शिक्षा जगत में मातम

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

नववर्ष का पहला दिन जहां खुशियों और नई उम्मीदों का संदेश लेकर आया था, वहीं बतौली के लिए यह दिन एक गहरे शोक में बदल गया। कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बतौली के वरिष्ठ व्याख्याता एवं प्रभारी प्राचार्य देवेंद्र गुप्ता का आज विद्यालय परिसर में ही हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया। निधन की जानकारी लगते ही शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

- विद्यालय परिसर में ही व्याख्याता व प्रभारी प्राचार्य की हृदयाघात से निधन

जानकारी के अनुसार वरिष्ठ व्याख्याता एवं प्रभारी प्राचार्य देवेंद्र गुप्ता अपने नियमित कार्य के दौरान विद्यालय परिसर में मौजूद थे, तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और उन्हें तीव्र हृदयाघात हुआ। सहकर्मियों एवं स्टाफ द्वारा तत्काल सहायता का प्रयास किया गया, लेकिन प्राचार्य का जान नहीं बचा सका। नववर्ष के पहले ही दिन उनका निधन हो जाने से सभी स्तब्ध रह गए। देवेंद्र गुप्ता न केवल एक कर्तव्यनिष्ठ शिक्षक थे, बल्कि एक संवेदनशील प्रशासक के रूप में भी उनकी पहचान थी। उन्होंने अपने लंबे शिक्षकीय जीवन में सैकड़ों छात्राओं के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके निधन से विद्यालय ने एक अनुभवी मार्गदर्शक खो दिया है। घटना की सूचना मिलते ही विद्यालय परिसर में शोकसभा का माहौल बन गया। शिक्षक, छात्राएं एवं स्थानीय नागरिकों की आँखें नम हो गईं। नववर्ष के उल्लास के बीच यह दुखद घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। विद्यालय प्रबंधन, शिक्षा विभाग एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने श्री गुप्ता के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

नए साल के जश्न में सरगुजावासी गटक गए 93 लाख से अधिक की शराब

अम्बिकापुर। पिछले साल की विदाई एवं नए साल की शुरूआत के दौरान सरगुजा में लोगों ने जमकर जश्न मनाया। पिछले साल की विदाई के जश्न में लोग एक ही दिन में 93 लाख से अधिक की शराब गटक गए। नए साल के जश्न में भी शराब की भारी मांग रही। नए साल के जश्न में भी लगभग एक करोड़ की शराब बिकने का अनुमान लगाया जा रहा है।

शहर सहित पूरे सरगुजा जिला में शराब के शौकीनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। आबकारी विभाग के राजस्व की दृष्टि से शराब के शौकीनों की संख्या में वृद्धि होना अच्छी बात है। शराब के शौकीनों की संख्या जितनी अधिक बढ़ेगी उतना ही अधिक आबकारी विभाग को राजस्व मिलेगा लेकिन सामाजिक दृष्टि से शराब के शौकीनों की संख्या बढ़ना भविष्य के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकता है।

जानकारों का कहना है कि नशा का उपयोग किसी के लिए भी लाभदायक नहीं हो सकता। इसके उपयोग से सेहत पर तो विपरीत प्रभाव पड़ता ही है व्यक्ति के मानसिक स्थिति में भी बदलाव आता है तथा इसका प्रभाव व्यक्ति के कामकाज एवं चरित्र पर पड़ता है। अभिजात्य वर्ग में शराब की पैठ काफी गहराई तक हो चुकी है। युवा पीढ़ी शराब के प्रति तेजी से आकर्षित हो रही है जो भविष्य में सामाजिक विकास में बड़ी बाधा साबित हो सकती है। खास अवसरों पर शराब का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। पुराने साल की विदाई एवं नए साल के स्वागत में जश्न मनाने की परंपरा भी तेजी से बढ़ रही है। पिछले साल पुराने साल की विदाई की जश्न में सरगुजा के शराब प्रेमी 68 लाख की ⏭शेष पेज 4 पर

ग्रामीण पर टांगी से जानलेवा हमला, गंभीर

अम्बिकापुर। कुसमी थाना अंतर्गत ग्राम जिगनिया निवासी मुरारी 30 दिसंबर को अपने घर के समीप खुटा गाड़ रहा था। इसी दौरान गांव के ही जनार्दन आ. स्व. अमीन (45 वर्ष) आया और पूर्व में हुए विवाद की बात को लेकर खूंटा गाड़ने से मना किया जिससे दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। इसी बीच जनार्दन ने अपने पास रखे टांगी से उसके सिर पर जानलेवा हमला फरार हो गया। घटना को देख बेटी ने चाचा पुष्पराज को जाकर बताई। भाई ने तत्काल मौके पर पहुंच गंभीर पड़े भाई को बाइक से कुसमी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के पश्चात मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां घायल का उपचार जारी है। घटना की रिपोर्ट पुष्पराज ने कुसमी थाने में दर्ज कराई। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 115(2), 351(2) के तहत अपराध दर्ज किया है।

एमसीएच में गूंजी किलकारियां, परिजन में भी उत्साह

मेडिकल कॉलेज में नए साल में 22 प्रसव, 11 घरों में आई लक्ष्मी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

साल का पहला दिन सरगुजा में 22 परिवारों के लिए खास रहा। साल के पहले दिन मेडिकल कॉलेज अस्पताल के एमसीएच में कुल 22 प्रसव हुए। बड़ी बात यह है कि इनमें से 11 परिवारों में बालिकाओं के रूप में लक्ष्मी आई। नए साल पर मिली इन खुशियों से परिवार में उत्साह का माहौल है। जन्म लेने वाली बच्चियां व प्रसूता पूर्ण रूप से स्वस्थ बताई जा रही है।

अच्छी बुरी यादों के साथ लोगों ने वर्ष 2025 को विदाई देने के साथ ही वर्ष 2026 का खुले दिल से स्वागत किया। सरगुजा में नए वर्ष के स्वागत को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला और लोगों ने आतिशबाजी व जश्न के माहौल में नए वर्ष का स्वागत किया। इस जब लोग शहर में नए वर्ष का जश्न मना रहे थे तो मेडिकल कॉलेज अस्पताल के 100 बिस्तरीय एमसीएच में भी अस्पताल प्रबंधन के साथ ही माता-पिता के लिए खुशियों भरा पल था। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नए वर्ष के मौके प्रसव पीड़ा उपरान्त भर्ती कराए गए 22 महिलाओं रात 12 बजे के बाद से 1 जनवरी की शाम 5 बजे के बीच प्रसव कराया गया। इनमें से 11 प्रसव सामान्य और 11 प्रसव सर्जरी के माध्यम से कराए गये। अस्पताल में सबसे पहले 12.33 बजे कुंती पीटीआई संजय के बच्चे ने जन्म लिया इसके बाद अस्पताल में प्रसव का सिलसिला रात भर जारी रहा। रात 12 बजे के बाद से गुरुवार की शाम तक 11 बालक और 11 बालिकाओं का जन्म मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हुआ और नवजात बच्चों की किलकारी से अस्पताल परिसर गूँज उठा। नए साल पर मिले इस उपहार से परिवार के सदस्यों में खासा उत्साह देखने को मिला। हालांकि फिलहाल सभी नवजात स्वस्थ है और वार्ड में चिकित्सकों द्वारा उनकी निगरानी की जा रही है।

इन महिलाओं का हुआ प्रसव

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सबसे पहले रात 12.33 बजे कुंती पति संजय ने एक बालक को जन्म दिया। इसके साथ ही उषा पति सुनील, सोनिया पति बृजलाल, हीरामनी पति राजेन्द्र, सोनकुंवर पति प्रदीप सिंह, प्रमिला पति कृष्णा, उषा पति सुनील, संगीता पति देवेन्द्र, भाग्यश्री पति अशोक, राजकुमारी पति घासीराम, करीना पति जितवा ने बालक को जन्म दिया है। इसके साथ ही 11 परिवारों में लक्ष्मी ने भी जन्म लिया। अस्पताल में पिंकी पति अनिल, सोमारिया पति बिकुल, साबित पति राम जीवन, पिंक पति अर्जुन, सकीना पति दिलशाद, सरिता पति अनिल, निर्मला पति जनार्दन, संगीता पति अमित, सेवंती पति आनन्द साय, सरस्वती पति शिव प्रताप, मनीषा पति राजेश ने बालिका को जन्म दिया है।

प्रसूता व बच्चे स्वस्थ

स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में नए वर्ष के मौके पर 22 सामान्य व सिजेरियन हुए। अस्पताल में 12 बजे के बाद से शाम 1 जनवरी की शाम तक 11 बालक और 11 बालिकाओं ने जन्म लिया है। प्रसूता व नवजात पूरी तरह से स्वस्थ है और चिकित्सकों के साथ ही नर्सिंग स्टाफ उनके स्वास्थ्य पर निगरानी रख रही है।

-डॉ. जेके रेलवानी, सिविल सर्जन

1- Ambikapur-pg 2_Layout 1 1/1/2026 10:30 PM Page 1

खबर संक्षेप

बैंक में डिजिटल बैंकिंग वर्कशॉप

बैकुण्ठपुर। हाल ही में बैंक पहुंचे वरिष्ठ नागरिकों एवं किसानों के लिए न केवल बैंकिंग प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया, बल्कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए त्वरित समाधान भी प्रदान किया गया। इसी सेवा भाव और कुशल प्रबंधन का परिणाम रहा कि इस तिमाही में एक्सिस बैंक बैकुंठपुर शाखा ने ग्राहक संतुष्टि के मामले में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। शाखा के ब्रांच मैनेजर संदीप चक्रबोरती एवं ऑपरेशन हेड श्रीमती सिंपल गुप्ता के नेतृत्व में स्थानीय युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिजिटल बैंकिंग वर्कशॉप आयोजित की गई, जिससे वे ऑनलाइन धोखाधड़ी से सुरक्षित रह सकें और डिजिटल सेवाओं का सही उपयोग कर सकें, इसकी जानकारी प्रदान की गई।

पीएम-अजय योजना 31 तक आवेदन

बैकुण्ठपुर। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्या., कोरिया द्वारा प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय (पीएम-अजय) योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए जिले को 81 इकाइयों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस लक्ष्य की पूर्ति 15 मार्च 2026 तक की जानी है। योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के पात्र एवं इच्छुक हितग्राहियों से 31 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्या., कोरिया के कार्यपालन अधिकारी कमलेश देवांगन ने जानकारी दी है कि योजना के तहत प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय (पीएम-अजय) योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से हितग्राहियों को बैंकों से ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। बैंक द्वारा स्वीकृत ऋण राशि का 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 50 हजार रूपए (जो भी कम हो) अनुदान के रूप में प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पीएम-अजय योजना के अंतर्गत लघु उद्योग एवं व्यापार के लिए विभिन्न आयोजनक गतिविधियों के लिए ऋण प्रकरण बैंकों को भेजे जाएंगे। इनमें किराना, मनिहारी, कपड़ा दुकान, नाई सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, फैंसी, मोटर मैकेनिक, साइकिल मरम्मत व दुकान, टीवी-रेडियो- मोबाइल रिपेयरिंग, मुर्गीपालन, बकरी पालन, सब्जी व्यवसाय, दोना-पत्तल निर्माण सहित अन्य लघु एवं कुटीर उद्योग शामिल हैं। श्री देवांगन ने बताया कि इस योजना के लाभ के लिए पात्र व इच्छुक आवेदक जिले का मूल निवासी होना अनिवार्य है तथा अनुसूचित जाति वर्ग का होना चाहिए।

लघु व्यवसाय के लिए ऋण के लिए आवेदन आमंत्रित

जांजगीर-चांपा। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से बैंक प्रवर्तित प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के तहत लघु व्यापार एवं व्यवसाय हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। योजना अंतर्गत किराना, मनिहारी, कपड़ा दुकान, नाई सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, फैंसी स्टोर, मोटर मैकेनिक, साइकिल मरम्मत, टीवी-रेडियो-मोबाइल रिपेयरिंग, वेल्डिंग, मुर्गीपालन, बकरी पालन, सब्जी व्यवसाय, दोनापत्तल निर्माण, लघु एवं कुटीर उद्योग सहित स्थानीय आवश्यकता के अनुरूप अन्य आयजनक व्यवसायों के लिए बैंकों के माध्यम से ऋण स्वीकृत किया जाता है। व्यवसाय अनुसार न्यूनतम 1 लाख तक के ऋण प्रकरण में स्वीकृत ऋण के विरूद्ध 50 प्रतिशत या अधिकतम 50 हजार जो भी कम हो अनुदान राशि जिला अंत्यावसायी विभाग द्वारा स्वीकृत किया जाता है।

पिकनिक स्पॉटों पर उमड़ी रही भीड़, मंदिरों में भी रही भीड़

नए साल के जश्न में डूबे रहे जिलेवासी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

जश्न मनाते लोग।

नए साल के पहले दिन कोरिया व एमसीबी जिले के पर्यटन केन्द्र पर्यटकों से गुलजार रहे। नया साल 2026 के पहले दिन को यादगार बनाने के लिए 1 जनवरी को कोरिया व एमसीबी जिले के प्रमुख पर्यटन केन्द्रों में सैलानियों की जमकर भीड़ रही। वर्ष के पहले दिन कई लोग पर्यटन केन्द्रों में घुमने फिरने के अलावा पिकनिक मनाने के लिए पहुंचें। एमसीबी जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल अमृतधारा तथा कोरिया जिले के गौरघाट जल प्रपात पर्यटन स्थल पर सबसे ज्यादा सैलानियों की भीड़ उमड़ी रही।

दोनों ही जल प्रपात घने जंगलों के बीच से हसदों नदी की गिरती जलधारा के मनमोहक दृश्य को देखने एवं प्रकृति के बीच वनभोज का आनंद लेने के लिए कोरिया एमसीबी जिले के ही नहीं बल्कि अन्य जिलों से बड़ी संख्या में सैलानी परिवार के साथ एवं दोस्तों के साथ पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में लोग उक्त दोनों स्थलों पर पिकनिक मनाने के लिए जुटे रहे। नए साल के पहले दिन अमृतधारा एवं गौरघाट जल प्रपात स्थल पर दिनभर लोगों की भीड़ से दोनों पर्यटन स्थल गुलजार रहा। उल्लेखनीय कि अमृतधारा एवं गौरघाट जल प्रपात पर्यटन स्थल पर प्रतिवर्ष नए वर्ष के पहले दिन सबसे अधिक पर्यटक पहुंचते हैं, इसके अलावा कोरिया व एमसीबी जिले के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलो में भी पर्यटकों की भीड़ नए साल के पहले दिन देखने को मिली। इसके अलावा एमसीबी व कोरिया जिले के अन्य पर्यटन केन्द्रों में लोग साल 2026 के पहले दिन सैर करने के साथ पिकनिक मनाने के लिए पहुंचे।

प्रकृति का नजारा देखने बालमगढ़ी पहुंचे लोग

नए साल 2026 के पहले दिन कोरिया जिले के सोनहत जनपद अंतर्गत स्थित गुरूघासीदास तमोर पिंगला टाईगर रिजर्व क्षेत्र के घने जंगलों में स्थित बालमगढ़ी घाट स्थल पर भी काफी संख्या में लोग पहुंच कर प्रकृति के अद्भूत नजारे को मोबाइल कैमरे में कैद किए। बालमगढ़ी पहाड़ी से प्रकृति का मनमोहक नजारा देखने को मिलता है। शहर के भीड़-भाड़ से दूर प्रकृति के बीच पहुंच कर यहां कुछ सुकुल के पल बीताने के लिए नए साल के पहले दिन काफी लोगों की मौजूदगी रही।

झुमका पर्यटन स्थल भी रहा गुलजार

कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के निकट प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसीत झुमका वोट क्लब में नए साल के पहले दिन काफी संख्या में परिवार एवं दोस्तों के साथ पहुंचते रहे, इसके चलते दिन भर पर्यटन स्थल झुमका वोट क्लब में लोगों के भीड़ के चलते चहल-पहल बनी रही। यहां लोग झुमका बांध में वोटिंग का आनंद लेते रहे। उल्लेखनीय है कि झूमका पर्यटन स्थल पर हाउस वोट की सुविधा भी पर्यटकों को मिल रही है।

नए वर्ष के पहले दिन मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता

मनेन्द्रगढ़। नववर्ष के पावन अवसर पर एमसीबी जिले के मनेन्द्रगढ़ में आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। वर्ष के पहले ही दिन नगर सहित आसपास के क्षेत्रों के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। विशेष रूप से मनेन्द्रगढ़ स्थित प्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर व श्री सिद्ध बाबा धाम में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। मंदिर परिसर जय श्री श्याम ऊँ नमः शिवाय के जयघोष से गूंजता रहा और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। प्रातःकाल से ही श्रद्धालु अपने हाथों में गुलाब के फूल, नारियल एवं प्रसाद लेकर बाबा श्याम के दर्शन के लिए कतारबद्ध नजर आए। मान्यता है कि श्री श्याम बाबा को गुलाब का फूल अत्यंत प्रिय है, इसी कारण नववर्ष के दिन अधिकांश भक्त गुलाब अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। श्रद्धालुओं ने परिवार की खुशहाली, रोजगार, स्वास्थ्य और जीवन में उन्नति के लिए बाबा से आशीर्वाद लिया। खाटू श्याम मंदिर की विशेषता यह है कि यहां केवल स्थानीय श्रद्धालु ही नहीं, बल्कि पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश के रामनगर, राजनगर, कोतमा, बिजुरी एवं शहडोल सहित अन्य क्षेत्रों से भी काफी संख्या में भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर में खाटू श्याम बाबा के साथ-साथ सरासर बालाजी एवं श्री राणी सती दादी जी की प्रतिमाएं भी विराजमान हैं, जिनके दर्शन के लिए भी भक्तों में विशेष उत्साह देखा गया। नववर्ष के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जहां सुबह से शाम तक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान मंदिर समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा गया।

सोनहत में जमीं बर्फ की परत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

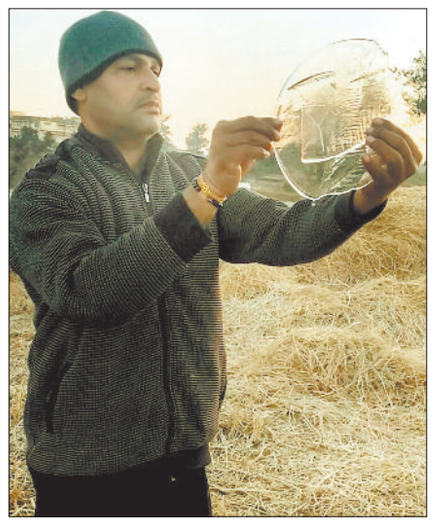

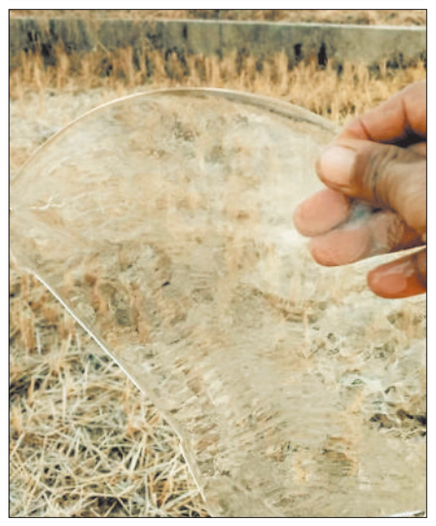

जमी बर्फ।

कोरिया जिले में बीते कुछ दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही है, इसके चलते लोगों की सुबह की दिनचर्या बिगड़ गई हैं। वहीं जिले के सोनहत वनांचल क्षेत्र में न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज होने के कारण पाला पड़ रहा है। जिले के सोनहत जनपद क्षेत्र में स्थिति यह है कि बर्तन में थोड़ा पानी रखकर घर के बाहर रख देने से बर्तन में रखा पानी बर्फ बन जा रहा है, इससे पता चलता है कि सोनहत जनपद क्षेत्र में कितनी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। जानकारी के अनुसार सोनहत जनपद मुख्यालय में एक व्यक्ति ने 30 दिसंबर की रात्रि में थाली में पानी भरकर घर के बाहर रख दिया था और सुबह जब उठकर देखा तो थाली में भरा पानी बर्फ की मोटी परत के रूप में तब्दील हो गया था।

■ कड़ाकें की ठंड का हो रहा एहसास

उल्लेखनीय है कि जिले का सोनहत जनपद क्षेत्र पठारी क्षेत्र होने के साथ ही वनांचल क्षेत्र में शामिल है और इस क्षेत्र में वनों की सघनता अधिक है, इसके चलते मदानी इलाको की अपेक्षा सोनहत पठारी क्षेत्र के वनांचल में सबसे अधिक ठंड का असर है। हालांकि दिन निकलने के बाद अधिक ठंड का असर नहीं हो रहा है, लेकिन शाम ढलने के बाद सोनहत जनपद क्षेत्र में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। शाम ढलने के बाद जैसे-जैसे रात ढलता जाता है, वैसे-वैसे न्यूनतम तापमान में गिरावट होती जाती है। यही कारण है कि सोनहत जनपद क्षेत्र में सूर्योदय के पूर्व परावट में बर्फ जमा दिखाई देता है तो दिन चढ़ने के साथ ही धीरे-धीरे पाला पानी बन जाता है।

हालांकि दिन निकलने के बाद सोनहत जनपद मुख्यालय सहित क्षेत्र के ग्रामीण अंचल में अधिक ठंड का असर लगातार धूप निकलने के कारण ज्यादा नहीं होता, लेकिन शाम ढलने के बाद तेजी से न्यूनतम तापमान में गिरावट होती है।

दिन में तीखी लगने लगी धूप

जिले में सुबह व शाम ढलने के बाद तेज ठंड के असर का सामना लोगों को करना पड़ रहा है, लेकिन दोपहर के समय धूप में कुछ देर रहने पर तीखी लगने लगी है। वर्तमान में सुबह के कुछ घंटों तक ही धूप सुहानी लग रही है। दोपहर के समय अधिक देर तक धूप में रहने से चुभने लगी है। वहीं 14 जनवरी से सूर्य के उत्तरायण हो जाने के बाद दिनों दिन धूप और तीखी होने लगेगी। इस तरह सुबह और शाम ढलने के बाद ही तेज ठंड के असर का सामना करना पड़ रहा है।

बुधवार को न्यूनतम तापमान 5 डिग्री

कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में भी जोरों की ठंड पड़ रही है। शहर में बुधवार को न्यूनतम तापमान 5 डिग्री दर्ज की गई। अभी कुछ दिनों से इसी आस पास न्यूनतम तापमान दर्ज की जा रही है। शहर के निकट मध्यम श्रेणी की बांध रामानुज प्रताप सागरबांध स्थित है उत्तर में कुछ किमी की दूरी पर मध्यम श्रेणी की दूसरी बांध गेज स्थित है, इसके चलते ठंडी हवाओं के चलने के कारण शहर के लोग शाम ढलने के बाद कंपकंपाने लग रहे हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से 17 गौवंशों की मौत

बैकुण्ठपुर। 31 दिसंबर को एक दर्जन से अधिक गौवंशों के लिए अंतिम दिन साबित हुआ। चरचा कॉलरी थानांतर्गत नगर रेल्वे स्टेशन के आगे रेल्वे ट्रेक पर आने से एक दर्जन से अधिक गौवंशों की ट्रेन की चपेट में आने से घटना स्थल पर ही मौत हो गई। यह घटना 31 दिसंबर की शाम लगभग 6 बजे के करीब की बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलने पर गौ सेवक मौके पर पहुंचे तो उन्हें 14-15 गौवंश मृत पड़े मिले, वहीं दो गौ वंश गंभीर रूप से घायल पडे थे। सूचना पर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी रात्रि लगभग 7 बजे घटना स्थल पहुंचे और घायल गौ वंश को शहर के गौ सेवकों की मदद से बाल मंदिर प्रांगण लाया गया। वहीं दूसरी ओर जिन गौवंशों की मौत हो चुकी थी, उनके शवों को जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की निगरानी में जेसीबी मशीन से गड्ढ़ा खोदकर विधिवत रूप से दफनाया गया। घटना के दूसरे दिन 1 जनवरी की सुबह बैकुंठपुर के पशु चिकित्सक श्याम द्वारा घायल गौवंश का उपचार किया गया, जिसमें एक गौ वंश के पैर का ऑपरेशन कर अलग किया गया। गौ रक्षा वाहिनी के जिलाध्यक्ष अनुराग दुबे ने कहा कि ट्रेन से कटकर पहले ही गौ वंशों की मौत हुई थी, जिसकी जानकारी रेलवे प्रशासन ने नहीं दी।

आईटीआई में ओपन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव

मनेन्द्रगढ़। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था चिरमिरी में आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से भारत सरकार के निर्देशानुसार भारत की नंबर एक पैसेंजर कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड द्वारा भव्य ओपन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। यह प्लेसमेंट ड्राइव 15 जनवरी को प्रातः 10 बजे शासकीय आईटीआई चिरमिरी में आयोजित होगी। इस विशेष प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से योग्य एवं इच्छुक आईटीआई पासआउट अभ्यर्थियों को देश की प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल कंपनी में करियर बनाने का बेहतरीन अवसर मिलेगा। प्लेसमेंट ड्राइव में मोटर मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, ट्रैक्टर मैकेनिक,मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, टर्नर, वेल्डर, पेंटर, वायर मैन, शीट मेटल, सीआई ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, टूल एंड डाई तथा पीपीओ ट्रेड के अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं।

अवैध धान परिवहन व भंडारण पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

अवैध धान परिवहन करते पकड़े गए वाहन चालक।

जिले में अवैध धान परिवहन, भंडारण एवं धान खरीदी में अनियमितताओं के खिलाफ प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में ग्राम रनई में वाहन क्रमांक सीजी -16-सीएफ-2949 को अवैध रूप से धान परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वाहन चालक सतनारायण साहू पिता मालिकचंद साहू के कब्जे से अवैध धान जब्त कर वाहन सहित थाना पटना की सुपुर्दगी में दिया गया।

■ प्रशासन ने की कार्रवाई

वहीं धान खरीदी केन्द्र जामपारा में की गई जांच के दौरान अवैध रूप से लाया गया 384 बोरी धान (लगभग 160 क्विंटल), दो ट्रैक्टर एवं एक माजदा 407 वाहन को अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) की उपस्थिति में जब्त कर समिति प्रबंधक को सुपुर्द किया गया। यह धान बड़गांव निवासी माधोराम पिता सोनसाय द्वारा लाया गया था। इसी दिन एग्रो राइस मिल का भौतिक सत्यापन अनुविभागीय राजस्व, अधिकारी सहकारिता निरीक्षक बैकुंठपुर, खाद्य निरीक्षक बैकुंठपुर एवं विद्युत विभाग के संयुक्त दल द्वारा किया गया। सत्यापन में पिछले वर्ष का 735 क्विंटल धान भौतिक रूप से अनुपलब्ध पाया गया। वहीं चालू वर्ष में अब तक 4400 क्विंटल धान का उठाव दर्ज किया गया, जो मिल में भौतिक रूप से मौजूद पाया गया। इसके अलावा राइस मिल के भौतिक सत्यापन में पिछले वर्ष का 500 क्विंटल धान कम पाया गया। चालू वर्ष में अब तक 2780 क्विंटल धान का उठाव किया गया, जो मिल में भौतिक रूप से उपलब्ध है। साथ ही मिल द्वारा पिछले दो माह का विद्युत बिल भुगतान लंबित पाया गया।

बुधवार को तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं फूड इंस्पेक्टर सोनहत द्वारा सोनहत एवं रजौली समितियों की मौके पर जांच की गई। जांच के दौरान सोनहत समिति में 25 बोरी (10 क्विंटल) अमानक धान को रिजेक्ट कर जब्त किया गया। जब्त धान फिलहाल समिति परिसर में सुरक्षित रखा गया है।

प्रतिमाह 7 तारीख को मनेगा रोजगार दिवस

मनेन्द्रगढ़। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रभावी क्रियान्वयन, आवास निर्माण में तेजी लाने तथा लाभार्थियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से जिले में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंकिता सोम के निर्देशन में अब प्रत्येक माह की 7 तारीख को सभी ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस के साथ आवास दिवस भी मनाया जाएगा। इस निर्णय के तहत चावल उत्सव के अवसर पर आयोजित होने वाले रोजगार दिवस के साथ ही आवास दिवस का संयुक्त आयोजन किया जाएगा, इससे प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से जुड़े हितग्राहियों को एक ही मंच पर जानकारी, मार्गदर्शन और समाधान उपलब्ध हो सकेगा। आवास दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत स्तर पर हितग्राहियों की सूची का वाचन किया जाएगा तथा 90 दिवस में आवास पूर्ण करने से संबंधित आवश्यक जानकारी दी जाएगी।

जन्म-मृत्यु पंजीयन को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने हुई बैठक

बैकुण्ठपुर। जिले में जन्म-मृत्यु पंजीयन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय अंतर्विभागीय समन्वय समिति (डीएलसीसी) की बैठक विगत मंगलवार को आयोजित की गई। यह समिति छग शासन के निर्देशानुसार गठित की गई है। बैठक में अध्यक्ष कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने जिले के समस्त संबंधित विभागीय अधिकारियों को जन्म एवं मृत्यु पंजीयन अधिनियम के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में प्रत्येक जन्म एवं मृत्यु की घटना का समय पर पंजीयन अनिवार्य रूप से कराने पर विशेष जोर दिया। बैठक में ऑनलाइन पंजीयन की वर्तमान स्थिति, लक्ष्य के अनुरूप प्रगति, मृत्यु के कारणों से संबंधित चिकित्सीय प्रमाण पत्र (एससीसीडी), मासिक प्रसव एवं जन्म पंजीयन की स्थिति, तथा प्रचार-प्रसार के लिए पंजीयन इकाइयों में पोस्टर वितरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही, फर्जी जन्म प्रमाण पत्रों की पहचान, जांच एवं रोकथाम को लेकर भी स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए। कलेक्टर ने जन्म-मृत्यु पंजीयन से संबंधित विलंबित पंजीयन के नियमों की जानकारी देते हुए अधिकारियों की शंकाओं का समाधान किया। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि जिला चिकित्सालय सहित सभी शासकीय एवं निजी स्वास्थ्य संस्थानों व घर में घटित होने वाली जन्म एवं मृत्यु की प्रत्येक घटना का संबंधित पंजीयन इकाई द्वारा तत्काल पंजीयन हो जाए।

भव्यता के साथ संपन्न हुआ बहरूपिया महोत्सव

लोक कला हमारी पहचान, इसे सहेजना है: श्यामबिहारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मनेन्द्रगढ़

नववर्ष की पूर्व संध्या पर मनेन्द्रगढ़ में आयोजित परंपरागत बहरूपिया महोत्सव भव्यता, अनुशासन और सांस्कृतिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

रंग, रूप और रचनात्मकता से सजी इस सांस्कृतिक संध्या ने लोक परंपराओं की जीवंत झलक प्रस्तुत की और दर्शकों को देर शाम तक बांधे रखा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि बहरूपिया जैसी लोक कलाएं हमारी सांस्कृतिक पहचान की आत्मा हैं, इन्हें जीवित रखना समाज और शासन दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और सामाजिक जागरूकता का प्रभावी माध्यम भी बनते हैं। मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि लोक कलाकार समाज के दर्पण होते हैं। उनकी प्रस्तुतियों में संस्कृति, संस्कार और संदेश तीनों समाहित रहते हैं।

मनेन्द्रगढ़ की यह परंपरा आज भी जीवंत है। यह पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने आयोजन समिति, कलाकारों और नगरवासियों को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को शासन स्तर पर सहयोग देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के दौरान बहरूपिया कलाकारों की एकल और सामूहिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों की भरपूर सराहना बटोरी। पौराणिक चरित्रों के साथ सामाजिक संदेशों से जुड़ी प्रस्तुतियों ने लोक कला की समृद्ध परंपरा को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया। समापन अवसर पर पुरस्कार वितरण किया गया।

सफाई कर्मियों को कंबल, गर्म टोपी भेंट कर किए सम्मानित

चरचा कॉलरी। नगर पालिका शिवपुर चरचा में नपाध्यक्ष अरुण जायसवाल द्वारा अपने जन्मदिन को सेवा और संवेदनशीलता के संदेश के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर डोर टू डोर कचरा कलेक्शन करने वाली स्वच्छता दीदियों एवं सफाई कर्मचारियों को कंबल व गर्म टोपी वितरित कर सम्मानित किया गया। ठंड के मौसम में यह पहल जरूरतमंद कर्मियों के लिए बड़ी राहत साबित हुई। नपाध्यक्ष ने कहा कि नगर की स्वच्छता व्यवस्था की असली धुरी स्वच्छता दीदियां और सफाई कर्मचारी हैं। इस अवसर पर एसईसीएल सह क्षेत्र प्रबंधक संजय कुमार, पूर्व नपाध्यक्ष बैकुंठपुर शैलेश शिवहरे, श्याम नारायण यादव, महेश यादव, पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती कुंती चक्रधारी, राजेन्द्र चक्रधारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष दीपा विश्वकर्मा, पार्षद श्रीमती रामकली पाल, कुंडल सायं, संजय देवांगन, सुभाष साहू, अंकित अग्रवाल, नीरज गुप्ता, काजल मोदी, राजेन्द्र पाल, मनीष गुप्ता, उमाशंकर, श्रीराम दुबे, खरवत ग्राम पंचायत सरपंच रामाशंकर सिंह, मुन्नाराम चक्रधारी सहित नगर पालिका कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिक उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

परसा में आईपीएल की तर्ज पर क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

डांड़गांव। विकासखंड उदयपुर के परसा केते खदान प्रभावित ग्राम परसा में दस दिवसीय आईपीएल के तर्ज पर जिला स्तरीय परसा लीग क्रिकेट टूर्नामेंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। प्रतियोगिता में जिले भर से 15 टीम भाग ले रही है। सबसे खास बात यह है कि आईपीएल के तर्ज पर खिलाड़ियों को निलामी में खरीदा गया है। शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम ग्राउंड परसा में क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती रैमुनिया करियाम, विशिष्ट अतिथि मुन्ना सिंह पैकरा, श्रवण सिंह वरकड़े, टूर्नामेंट के संयोजक मनोहर सिंह उईके ने की। संयोजक मनोहर सिंह उईके ने कहा कि खेलों का ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजन होने से प्रतिभाओं को आगे आने में बेहतर अवसर मिलता है। अधिकांश गांवों में खेल की सुविधाएं नहीं होने के कारण खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका नहीं मिल पाता है। प्रतियोगिता की विजेता टीम को 35 हजार रुपए नकदी व ट्राफी तथा उपविजेता टीम को 25 हजार रुपए नकदी व ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। इस दौरान विजय सिंह कोर्राम, देवलोचन सिंह उईके, उमाशंकर यादव, बुधराम नेटी, पतागों मराबी, राजकुमार, महेश कुसरो, मोहे लाल उईके सहित अन्य मौजूद रहे।

कीटनाशक पीने से गंभीर महिला की गई जान

अम्बिकापुर। लुंड्रा थाना अंतर्गत ग्राम बकना कला निवासी कमला पति सदल (46 वर्ष) बीती रात अज्ञात कारण से घर में रखे कीटनाशक का पी ली। घटना की जानकारी लगने पर परिजन तत्काल उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

सिलफिली में युवक ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर की आत्महत्या

बिश्रामपुर। क्षेत्र के ग्राम सिलफिली बंगालीपारा में एक युवक ने बीती रात अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जयनगर पुलिस ने बताया कि ग्राम सिलफिली बंगालीपारा निवासी 18 वर्षीय शिवाशील पिता स्व. विजय शील अपने बुआ के पुराने मकान में अकेले रहता था और सिलफिली मार्केट में स्थित बुआ के पुत्र के साथ सैलून दुकान में काम करता था,मंगलवार की रात युवक ने घर में ही अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है,सूचना पर जयनगर थाना से सहायक उपनिरीक्षक मनोज द्विवेदी प्रधान आरक्षक दीपक दुबे आरक्षक सुरेश साहू टीम के साथ मौके पर पहुंच शव का पंचनामा व पीएम कराने उपरांत शव परिजन के सुपुर्द कर मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है, मामले में जांच के बाद ही युवक द्वारा आत्महत्या के कारणों की वस्तुस्थिति स्पष्ट होने की बात कही जा रही है।

स्कूल व आंबा केंद्र से बर्तन व चावल की चोरी

अम्बिकापुर। विकासखण्ड वाड्रफनगर अंतर्गत ग्राम चमारसारी स्थित एक ही परिसर में संचालित मिडिल स्कूल, प्रायमरी स्कूल एवं आंबा केंद्र का ताला तोड़ चोरों ने चावल एवं भोजन बनाने के बर्तनों की चोरी कर ली। संस्था प्रमुखों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी है। छुट्टिया खत्म होने के बाद गुरूवार को शिक्षक स्कूल खोलने पहुंचे तो संस्थाओं के मुख्य द्वार का टूटा ताला एवं सामानों को बिखरा देख हैरान रह गए। शिक्षकों ने घटना की जानकारी संस्था प्रमुखों को दी। प्रमुखों के पहुंचने पर सामानों की जांच की गई तो मिडिल स्कूल के मध्याह्न भोजन बनाने का बड़ा गंज एवं सायकिल में हवा भरने वाला दो पंप प्राथमिक शाला से गैस सिलेंडर, कड़ाही एवं आंबा केन्द्र से कुकर एवं 56 किलो चावल गायब मिला। संस्था प्रमुखों ने मामले की सूचना पुलिस को दी है।

नए साल में उमड़ी लोगों की भीड़

विकास की बाट जोह रहा प्राकृतिक सौन्दय से परिपूर्ण घघीया जलप्रपात

घघीया जलप्रपात।

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजपुर

प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण घघीया जलप्रपात उपेक्षा का शिकार हो गया है। संसाधनों की कमी और अनदेखी के कारण पर्यटन स्थल का विकास नहीं हो सका। वर्षों से चली आ रही मांग के बाद भी इस दिशा में कोई पहल नहीं हो पाई। ऐसे में अब लोग एक बार फिर से पर्यटन स्थल को चिन्हांकित कर इसके सम्पूर्ण विकास की मांग कर रहे है ताकि पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ ही क्षेत्र के लोगों को रोजगार उपलब्ध हो सके।

खास बात

- सुविधाओं का विस्तार होने से बढ़ेगा पर्यटन, क्षेत्र के लोगों को मिलेगा रोजगार

बता दें कि विकासखंड अंतर्गत क्षेत्र में स्थित घघीय जल प्रपात इन दिनों लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है और जिले के साथ ही आस पास जिलों से भी लोग यहां पिकनिक मनाने के लिए आ रहे है। यह जल प्रपात विकासखंड मुख्यालय से महज तीन किमी की दूरी पर ग्राम पतरापारा और लहुआ के बीच स्थित है। नए साल के मौके पर भी जल प्रपात में लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। लोगों ने अपने परिवार के सदस्यों, मित्रों के साथ जश्न मनाने के साथ ही नए साल का स्वागत किया। जलप्रपात की बात की जाए तो यह गेउर नदी पर स्थित है जो शंकरगढ़ की ओर से बहते हुए राजपुर क्षेत्र से होकर आगे चलकर महान नदी चिलमाकला में मिलती है। घघीया जलप्रपात में पर्यटन को लेकर अपार संभावनाएं हैं लेकिन सुविधाओं के अभाव के कारण यह पर्यटन स्थल अभी तक पूरी तरह विकसित नहीं हो सका है। घघीया पहुंच मार्ग की सड़क कूछ दूरी तक कच्ची है जिसे पक्की सड़क में तब्दील करने की लंबे समय से मांग की जा रही है। इसके अलावा नदी किनारे सीढ़ियां, सुरक्षा रेलिंग, पक्की सड़क, लाइटिंग, बैठने की व्यवस्था और स्वच्छता सुविधाओं की भी आवश्यकता है। घघीया जलप्रपात को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की मांग लंबे समय से स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के समक्ष रखी जाती रही है लेकिन अब तक अपेक्षित पहल नहीं हो सकी है। लोगों का मानना है कि यदि शासन-प्रशासन द्वारा ठोस कदम उठाए जाएं, तो प्रदेशभर से सैलानी यहां पहुंचेंगे, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और क्षेत्र का आर्थिक विकास होगा।

धार्मिक पर्यटन की भी है अपार संभावना

नववर्ष के पहले दिन राजपुर स्थित मां महामाया मंदिर में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं राजपुर से लगभग तीन किलोमीटर दूर कोठी पठार स्थित ओंकारेश्वर शिव मंदिर, जो गेउर नदी के तट पर स्थित है, वहां भी श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिलती। यह शिव मंदिर धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है। महाशिवरात्रि के अलावा हर सोमवार को यहां भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि ओंकारेश्वर शिव मंदिर और आसपास के क्षेत्र को विकसित किया जाए, तो यह स्थान धार्मिक पर्यटन के रूप में भी उभर सकता है। इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से क्षेत्र में सुरक्षा के इंतजाम भी किए गये थे और थाना प्रभारी भारतद्वाज सिंह द्वारा पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

लोग कर रहे विकास की मांग

भाजपा प्रदेश मंत्री शिवनाथ यादव ने कहा कि पर्यटन विकास से न केवल क्षेत्र की पहचान बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। घघीया जलप्रपात को पर्यटन मानचित्र पर लाने के लिए शासन को विशेष योजना बनानी चाहिए।

पूर्व विधायक लुंड्रा-सामरी डॉ. प्रीतम राम ने कहा कि घघीया और ओंकारेश्वर शिव मंदिर जैसे स्थल धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन के संगम हैं। इनका विकास होने से पूरा क्षेत्र लाभान्वित होगा। यह विषय केवल राजनीति का नहीं, बल्कि क्षेत्रीय विकास का है।

जनपद पंचायत राजपुर के अध्यक्ष विनय भगत ने कहा कि जनपद स्तर से भी लगातार प्रस्ताव भेजे जा रहे हैं। सड़क, सीढ़ी, लाइटिंग और सुरक्षा व्यवस्था प्राथमिक आवश्यकता है। हमें उम्मीद है कि शासन-प्रशासन इस ओर जल्द ध्यान देगा।

जनपद पंचायत उपाध्यक्ष आकाश अग्रवाल ने कहा कि घघीया जलप्रपात राजपुर विकासखंड का गौरव है। इसके विकास से आसपास के गांवों को भी लाभ मिलेगा। स्थानीय निकाय हरसंभव सहयोग के लिए तैयार हैं।

किसान हुआ लूट का शिकार, बाइक सवार लूटेरों ने घटना को दिया अंजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीतापुर

बैंक से पैसा आहरण कर घर जा रहे 60 वर्षीय साइकिल सवार किसान लूट का शिकार हो गया। पलक झपकते ही बाइक सवार अज्ञात लुटेरों ने साइकिल सवार किसान का पैसों वाला बैग लूटकर फरार हो गए। खून पसीने की कमाई एक झटके में गंवा देने के बाद बुजुर्ग किसान सदमे में है। दिनदहाड़े हुई इस घटना ने नगर की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है।

उक्त घटना नेशनल हाईवे क्र-43 में नगर पंचायत क्षेत्र के कसईढोढ़ी के पास दिन सोमवार को चार बजे की है। जहां ग्राम सुर पकरीखार निवासी 60 वर्षीय बुजुर्ग किसान जगन्नाथ राम लूट के शिकार हो गए। किसान अपने खून पसीने की कमाई बैंक से निकालकर चार बजे के आसपास अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान वो कसईढोढ़ी के पास मौजूद साइकिल दुकान में पहिया में हवा डलवाने के लिए रुके ही थे तभी बाइक सवार दो युवक वहां पहुंचे और पलक झपकते उनके साइकिल में टंगा हुआ रुपयों से भरा बैग लेकर फरार हो गए। बैग में किसान द्वारा बैंक से निकाली गई नगद राशि 30 हजार एवं बैंक का पासबुक था जिसे लुटेरे लूट कर फरार हो गए। अचानक हुए इस घटना के बारे में बुजुर्ग किसान समेत वहां मौजूद लोग कुछ समझ पाते तब तक लूट की घटना को अंजाम देने वाले बाइक सवार लुटेरे आंखों से ओझल हो चुके थे। एक झटके में अपनी खून पसीने की कमाई लुटेरों के हाथों गंवाने के बाद बुजुर्ग किसान सदमे में आ गया है। परिजन के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर किसान धान बेचने के बाद बैंक में जमा राशि निकालकर अपने घर जा रहा था ताकि इन पैसों से वो अपनी बेटी की शादी की तैयारी कर सके लेकिन लुटेरों ने घर जाने के दौरान रुपए से भरा बैग लूटकर किसान के सारे अरमानों पर पानी फेर दिया। कसईढोढ़ी के पास दिनदहाड़े हुई इस घटना ने नगर की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। नगर समेत क्षेत्र में बढ़ती लूटपाट की घटना से लोगों को अपने जानमाल की चिंता सताने लगी है। इस संबंध में एसडीओपी राजेंद्र मंडावी ने जांच की बात कही है।

उपार्जन केन्द्र पुहपुटरा में 65 बोरी अवैध धान जब्त

अम्बिकापुर। विकासखण्ड लखनपुर अंतर्गत धान उपार्जन केन्द्र पुहपुटरा का निरीक्षण करने पहुंचे नायब तहसीलदार ने 35 बोरी अवैध धान जब्त किया है।समिति प्रबंधकों से मिलीभगत कर कोचिए किसानों के नाम से अपना धान खपा रहे हैं। बुधवार को धान उपार्जन केन्द्र पुहपुटरा का निरीक्षण करने नायब तहसीलदार सर्वेश पटेल एवं उमेश तिवारी पहुंचे थे। इस दौरान चालक राकेश पिता बालेश्वर दास पिकअप में 65 बोरी धान लोड कर उपार्जन केन्द्र में बेचने पहुंचा था। नायब तहसीलदार ने चालक से धान के संबंध में पूछताछ की तो उसने ग्राम गणेशपुर केनापारा निवासी तोम नारायण का धान लाने की जानकारी दी। उपार्जन केन्द्र द्वारा धान विक्रय के लिए तोम नारायण के नाम से टोकन जारी नहीं होने पर नायब तहसीलदार ने अवैध धान को जब्त कर समिति प्रभारी जगदीश को सुपुर्द किया तथा पंचनामा बनाकर एसडीएम को प्रस्तुत किया।

हर व्यक्ति की जान है कीमती, बाइक चलाते वक्त हेलमेट का जरूर करें उपयोग : कलेक्टर

सूरजपुर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने, दो पहिया वाहन चालकों को अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने हेतु प्रेरित करने, दुर्घटना से बचाव के उपाय से लोगों को अवगत कराने, यातायात नियमों की जानकारी सहित यातायात संबंधी विविध आयोजन सड़क सुरक्षा माह के दौरान पुलिस द्वारा की जाएगी। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ 1 जनवरी को कलेक्टर एस जयवर्धन, एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर की मौजूदगी में स्कूली छात्राओं द्वारा हेलमेट रैली और यातायात जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शहर भर में कलेक्टर व /एसएसपी ने जवानों के साथ बाईक पर हेलमेट जागरूकता रैली निकालकर नगरवासियों को हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने संदेश दिया।

- सड़क दुर्घटना कम करने सभी की भागीदारी है जरूरी

इस अवसर पर कलेक्टर एस जयवर्धन ने कहा कि नागरिकों को अपनी स्वयं की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें, हम सभी के जागरूक होने, नियमों के पालन करने से सड़क दुर्घटना में कमी आएगी, हर व्यक्ति की जान काफी कीमती है, बाइक चलाते समय हेलमेट का उपयोग करें, यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित रहे। यातायात नियम केवल निर्देश नहीं हैं, बल्कि सुरक्षित और व्यवस्थित दैनिक जीवन की एक अनिवार्य आवश्यकता हैं। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह दिनांक 1 से 31 जनवरी तक मनाया जाएगा। जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को सावधानी के साथ सड़क नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करना और उनके जीवन को सुरक्षित करना है। जिले में यातायात जागरूकता के 4372 आयोजनों के माध्यम से करीब 7 लाख लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया जिसके अच्छे परिणाम रहे। वर्ष 2024 में 435 सड़क दुर्घटना हुई थी जबकि वर्ष 2025 में 428 सड़क दुर्घटना हुई जो वर्ष 2024 के तुलना में वर्ष 2025 में मृत्यु दर में 4 प्रतिशत की कमी आई है। यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्ती भी दिखाई गई और वर्ष 2025 में एमव्ही एक्ट के 38 हजार 309 लोगों के विरूद्ध कार्यवाही कर 1 करोड़ 46 लाख 14 हजार 150 रूपये समन शुल्क तथा 801 लोगों को शराब पीकर वाहन चलाने पर 77 लाख रूपये जुर्माना न्यायालय से हुआ है।

दूरस्थ क्षेत्र पुन्दाग में किया गया सड़क सुरक्षा माह का आगाज

बलरामपुर। पुलिस विभाग्द द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए चलाए जा रहे यातायात जागरूकता को लेकर शुरू किए गए 37वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र पुन्दाग में किया गया। इस दौरान सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सांसद श्री चिंतामणि के साथ ही कलेक्टर राजेन्द्र कटारा एसपी वैभव बैंकर, एएसपी विष्व दीपक त्रिपाठी ने लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ ही हेलमेट का वितरण किया। सांसद ने कहा कि जिलें में 37वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 1 से 31 जनवरी तक चलेगा। आम नागरिक व स्कूली छात्र-छात्राएं यातायात नियमों एवं संकेतों का पालन करें। कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने शराब पीकर वाहन नहीं चलाने और हेलमेट लगाने का आह्वान किया गया ताकि ताकि स्वस्थ समाज का निर्माण कर देश की उन्नति में भागीदारी बने। कलेक्टर ने लर्निंग लाइसेंस शिविर के आयोजन ग्राम सभा में करने आरटीओ और सीईओ जनपद को निर्देशित किया है। पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर ने कहा सड़क दुर्घटना में किसी की जान जाने से उसका दुष्प्रभाव पूरे परिवार पर लंबे समय तक रहता है।इस बार जिले में यातायात जागरूकता थीम (हेलमेट/सीटबेल्ट/षराब/माल यान में सवारी बैठाना) रील्स मेकिंग कॉम्पिटिशन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को नगद इनाम तथा पुरस्कार प्रदान किया जाएगा तथा उक्त रील्स को तातापानी महोत्सव में प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके साथ ही कार्यक्रम के समापन के पूर्व रक्षित केन्द्र बलरामपुर में यातायात जागरूकता थीम पर विभिन्न प्रकार के एथलेटिक्स-100 मी.दौड़, 1500 मी.दौड़ ,लम्बी कूद, उंची कूद जैसे खेलों का आयोजन पुलिस लाईन बलरामपुर में किया जाएगा। इस दौरान यातायात प्रभारी विमलेश कुमार देवांगन, सामरी प्रभारी विजय प्रताप सिंह सहित लगभग 500 आम नागरिक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), अम्बिकपुर, जिला-अम्बिकापुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. /अ-2/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुधीर सिंह पिता मदन सिंह जाति क्षत्रिय निवासी रिंग रोड नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) खसरा नंबर 484/15, 484/26, रकबा 0.073, 0.039 हे. भूमि को कृषि भिन्न आवासीयक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन स्वीकृत किया गया है उक्त भूमि का व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, व्यपवर्तन प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचारधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 02/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), अम्बिकपुर, जिला-अम्बिकापुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. /अ-2/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुधीर सिंह पिता मदन सिंह जाति क्षत्रिय निवासी रिंग रोड नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) खसरा नंबर 440/43, 484/27, रकबा 0.024, 0.004 हे. भूमि को कृषि भिन्न आवासीयक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की की बी-1, खसरा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 02/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
अम्बिकापुर

न्यायालय द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

प्रो.नं.-371/25
व्यव.वा.प्र.क्र.-132 अ/2021
आगामीपेशीतिथि 05/02/2026

परबतिया व अन्य --------- /वादी
प्रति
नरबदिया व अन्य -------/ प्रतिवादीगण

नोटिस/ईश्तहार

बनाम :-
1. कनीज फातिमा बेगम पति स्व. मोसद्दीक हुसैन आयु लगभग 40 वर्ष, पेशा गृहिणी
2. महफूज हुसैन आ. स्व. मोसद्दीक हुसैन आयु लगभग 15 वर्ष, पेशा विद्यार्थी, वाद हेतु शुभेच्छु नैसर्गिक वली माता कनीज फातिमा बेगम पति स्व. मोसद्दीक हुसैन
3. मारूफ हुसैन आ. स्व. मोसद्दीक हुसैन आयु लगभग 10 वर्ष, पेशा विद्यार्थी, वाद हेतु शुभेच्छु नैसर्गिक वली माता कनीज फातिमा बेगम पति स्व. मोसद्दीक हुसैन तीनो निवासी ग्राम उदयपुर पोस्ट व थाना उदयपुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

आपको नोटिस/ईस्तहार के माध्यम सूचित किया जाता है इस न्यायालय में वादी/आवेदकगण द्वारा आपके के विरूद्ध व्यवहार वाद प्रकरण क्रमांक-132 अ/2021 परबतिया व अन्य प्रति नरबदिया व अन्य न्यायालय द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के समक्ष स्वत्वघोषणार्थ एवं स्थायी निषेधाज्ञा हेतु वाद प्रस्तुत किया गया है। न्यायालय द्वारा प्रकरण में प्रतिवादीगण को न्यायालय में उपस्थिति हेतु नोटिस प्रेषित की गई थी। किन्तु प्रतिवादीगण को नोटिस की तामिली न हो पाने के कारण प्रकरण में पेशी तिथि बढ़ती जा रही है। ऐसी स्थिति में उपरोक्त प्रतिवादीगण को न्यायलयीन प्रकरण में उपस्थिति होने हेतु नोटिस/ईस्तहार का प्रकाशन कराया जा रहा है।

अतः आपको इस नोटिस/ईस्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि पेशी दिनांक-05.02.2026 को न्यायालयीन समय दिन में 11.00 बजे उपस्थित होकर स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता /अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। नियत दिनांक को उपस्थित न होने की दशा में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी। उक्त तिथि को सार्वजनिक अवकाश होने की दशा में अथवा किन्हीं कारणवश न्यायालयीन स्थगित होने पर प्रकरण की सुनवाई आगामी कार्य दिवस पर होगी।

आज दिनांक 29/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

(श्रीमती बरखा रानी वर्मा)
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी,
अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ.ग.)

सरगुजा मार्केट

छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध एवं सीनियर मूत्र रोग विशेषज्ञ परामर्श एवं ऑपरेशन हेतु डॉ.फिरदौसी हॉस्पिटल में उपलब्ध रहेंगे
उपलब्ध सुविधाएं
दिनांक 19 दिसंबर 2025 दिन - शुक्रवार
• पथरी, प्रोस्टेट, पेशाब का ना होना
• गुर्दे व पेशाब के नली में पथरी।
• प्रोस्टेट बढ़ जाना।
• पेशाब के रास्ते का छोटा होना।
• किडनी, पेशाब थैली, अण्डकोष प्रॉस्टेट कैंसर
डॉ.राहुल कपूर (Laparoscopy Uresurgeon)
अग्रिम रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है (O.P.D.) 8225888500 7240802000
दूरबीन पद्धति से मूत्र रोग बीमारियों की जांच एवं ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध
डॉ.फिरदौसी हॉस्पिटल MULTI SPECIALITY SURGICAL HOSPITAL
खरसिया नाका अम्बिकापुर (जिला - सरगुजा)

बर्न, प्लास्टिक एवं कॉस्मेटिक सर्जरी विशेषज्ञ डॉ.रौनक कलवानी M.ch, Ms, ATLS, M.B.B.S
प्लास्टिक, कॉस्मेटिक एवं माइक्रोसर्जन
विशेषज्ञता - हेयर ट्रांसप्लांट, लिपोसक्शन एवं माइक्रो सर्जरी
दिनांक - 03 जनवरी, 2026, शनिवार समय - सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक
संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल, रायपुर के वरिष्ठ और अनुभवी विशेषज्ञ
डॉ.विकास अग्रवाल Laparoscopic and Organ Preserving Surgeries
MBBS, DRNB, PDF, FMAS, FISCP, MNAMS
दिनांक - 03 जनवरी, 2026, शनिवार समय - सुबह 9 बजे से 12 बजे तक
डॉ.फिरदौसी हॉस्पिटल MULTI SPECIALITY SURGICAL HOSPITAL
खरसिया नाका अम्बिकापुर (जिला - सरगुजा)
7869900888 (O.P.D.) 8225888500 (Hospital), 7240802000

आप परेशान क्यों हैं ? वारसी शिफा
खाना रूहानी जड़ी-बूटी द्वारा ईलाज
अगर दवा काम नहीं करती तो आज ही मिलिए हकीमुल्क जनाब वारसी साहब के साहबजादे से अपने वालिद से 35 वर्षों का अनुभव प्राप्त कर कई सालों से सेवा देते आ रहे है अनेक बे औलादों को औलाद प्राप्त हुई किसी भी साया का बुरा असर भुत-प्रेत, पति-पत्नी के झगड़े, मोहब्बत, दिमागी परेशानी, कारोबार में बरकत के लिए, गर्भ न ठहरना, नामर्दगी, रूहानी एवं जड़ी-बूटी द्वारा
बीमारीयों से छुटकारा पाने के लिए मिलिए।
परामर्श शुल्क मात्र 500 रु.
मिलने का समय:- सुबह 09 बजे से 11 बजे तक
पता - वारसी मंजिल, महामाया प्रवेश द्वार, शहीद अब्दुल हमीद चौक वारसी नगर रिंग रोड अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)
मो. 9753266386

गुप्त रोग का 100% शर्तिया ईलाज
गुप्त रोग, नामर्दी, नपुंसकता, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, धातु गिरना, जलन, छोटापन, टेढ़ापन, सिपलिस गनौरिया सभी प्रकार के गुप्त रोगों की आयुर्वेदिक दवा द्वारा शर्तिया ईलाज किया जाता है ।
लिंग वर्धक यंत्र भी उपलब्ध
बिना आपरेशन के अण्डकोष, बवासीर, भगंदर का गारंटी के साथ आयुर्वेदिक दवा द्वारा ईलाज
25 साल से स्थायी
संपर्क - विश्वास औषधालय
बिलासपुर रोड, लक्ष्मीपुर शास.स्कूल के पास अम्बिकापुर- मोबा. 7898942870
समय- सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक

डॉ.संदीप गुप्ता शहर के बेस्ट डॉक्टर्स की टीम के साथ
MBBS, DCH(Mumbai)
नवजात शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ
चिकित्सक - वाडिया चिल्ड्रन हॉस्पिटल, मुंबई
20 बेड का अत्याधुनिक उपकरणों से लैस हॉस्पिटल
ICU NICU ऑपरेशन थिएटर जनरल वार्ड
उपलब्ध सुविधाएं
• पैथोलॉजी लैब, फार्मेसी • क्रिटिकल केयर यूनिट • अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर • प्राइवेट वार्ड • जनरल वार्ड
नार्मल, सिजेरियन डिलेवरी, बच्चेदानी का ऑपरेशन, हार्निया हाइड्रोसिल, पथरी एवं समस्त प्रकार के ऑपरेशन की सुविधा
यशोदा मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
खरसिया नाका, भारत माता चौक, रिंग रोड श्री लक्ष्मी हॉटल के पास अम्बिकापुर
अधिक जानकारी एवं पंजीयन हेतु संपर्क करें।
07774-319760, 8602490055, 6263860055

रायपुर के सुप्रसिद्ध मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ
डॉ.आशु जैन
MBBS, M.S., M.ch Neurologist
दिनांक 4 जनवरी, दिन रविवार
एसआरएस हॉस्पिटल 10 बजे से 2 बजे तक
सीटी हॉस्पिटल नमनाकला, अम्बिकापुर 12 बजे से 1 बजे तक
गायत्री हॉस्पिटल 3 बजे से 7 बजे तक

तेज डायग्नोस्टिक / ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
में परामर्श हेतु प्रतिदिन उपलब्ध विशेषज्ञ
डॉ. आशीष कुमार जायसवाल एम.डी.जनरल फिजिशियन
डॉ. हेमन्त कुमार बी MBBS, DCH, DNB शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ
डॉ. चन्द्रशेखर उपाध्याय MBBS, DNB Ortho हड्डी रोग विशेषज्ञ
डॉ. सोनल गार्डिया MBBS, MS(General Surgeon) जनरल एवं लैप्रोस्कोपी सर्जन
डॉ. मनोज भारती MBBS, MS हाइड्रोसील,बवासीर,हार्निया,फिस्टुला स्तन की गांठ
डॉ. ओम प्रकाश पंडित MBBS, DNB Ortho हड्डी रोग विशेषज्ञ
डॉ. प्रवीन कुमार सिंह जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. नताशा शर्मा स्त्री रोग विशेषज्ञ
डॉ.जी.के.दामले MS, ENT
डॉ. भावना गार्डिया स्त्री रोग विशेषज्ञ
डॉ. रोशन आरा एम.डी. रेडियो डायग्नोसिस
डॉ. हिमांशु गुप्ता MD ONCO कैंसर रोग विशेषज्ञ
डॉ. अखिलेश कुमार भारत जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. कमल नारायण गुप्ता श्वास,छाती एवं टी.बी.रोग विशेषज्ञ
डॉ. संदीप गुप्ता MBBS, DCH मुंबई
डॉ. अभिजीत भट्टाचार्य जनरल फिजिशियन
डॉ. समीर श्रीवास्तव हड्डी रोग विशेषज्ञ
डॉ. रिषभ गुप्ता किडनी रोग विशेषज्ञ
डॉ. राहुल शामकांत जाधव एम.बी.बी.एस.,एम.डी.पैथोलॉजिस्ट
डॉ. चन्द्रांशु त्रिपाठी मूत्र रोग विशेषज्ञ
डॉ. आयुशी गुप्ता न्यूरो (पेन फिजिशियन)
डॉ. मीना राव आडियोलॉजिस्ट एवं स्पीच थैरेपिस्ट
डॉ. सुरभि BDS, MDS (Oral Medicine & Radiology) दंत एवं मुख विशेषज्ञ
डॉ. हेमलता साहू फिजियोथैरेपी
अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करें 07774222555, 9425583780, 9826183780 8224007799, 8718003300, 6262639090
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जाँच की सुविधा उपलब्ध

TOP IN SURGUJA
गायत्री हॉस्पिटल MULTISPECIALTY HOSPITAL CREATING HEALTHY TOMORROW
CGHS से मान्यता प्राप्त
आपके शहर अम्बिकापुर में सुविख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.प्रज्ञा ओझा MBBS, DGO (OBS & GYN)
बनारस रोड, पी.जी. कॉलेज मैदान के सामने, अम्बिकापुर (छ.ग.)
9424250281 | 8120906000 | 8120809000
कम खर्चे में ईलाज सर्वसुविधा युक्त के साथ ईलाज
स्त्री रोग से संबंधित सभी समस्याएं व उपचार
• गर्भावस्था की सम्पूर्ण जाँच
• प्रसूति (नार्मल वा सिजेरियन) बांझपन का जाँच एवं ऑपरेशन
• बच्चेदानी निकालने का ऑपरेशन (चीरा रहित एवं दूरबीन पद्धति द्वारा)
• मोनोपॉज (रजोनिवृत्ति संबंधित बीमारियों का इलाज)
• मासिक संबंधित बीमारियों का इलाज
• स्तन की गांठ, कैंसर का ऑपरेशन
• बच्चेदानी के कैंसर का ईलाज

1 Ambikapur-pg 4-0_Layout 1 1/1/2026 10:26 PM Page 1

खबर संक्षेप

बैठक में नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान की गतिविधियों की समीक्षा

अम्बिकापुर। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो के नेतृत्व में संचालित नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र के सदस्यों ने समाज सेविका सुश्री वन्दना दत्ता की अध्यक्षता में होटल सिग्नेचर इन में वर्ष 2025 की गतिविधियों की समीक्षा की तथा आगामी वर्ष की कार्ययोजना पर मंथन किया। बैठक में संयोजक मंगल पाण्डेय ने गतिविधियों की समीक्षा, लक्ष्यों के विरूद्ध प्राप्त उपलब्धियां, समुदाय पर पड़े सकारात्मक प्रभाव, अपूर्ण लक्ष्य एवं उनके कारण, नए वर्ष की प्राथमिकताएं एवं कार्ययोजना का एजेंडा प्रस्तुत किया। उपस्थित सदस्यों ने अपने सुझाव रखे तथा नए वर्ष की कार्ययोजना के बेहतर क्रियान्वयन हेतु सामाजिक उत्तरदायित्व तय किया। बैठक का संचालन अनिल कुमार मिश्रा ने किया। इस दौरान अजय तिवारी, संतोष दास सरल, अंचल ओझा, उमाशंकर पाण्डेय, मनोज भारती, सुनिधि शुक्ला, हिना खान, रीना ठाकुर, रेहान रजा खान, यश मिश्रा एवं संतोष कुमार विश्वकर्मा उपस्थित थे।

कोयला तस्करी के मामले में पुलिस कर रही खरीददार व ट्रक मालिक की तलाश

बिश्रामपुर। एसईसीएल की गायत्री खदान से कोयला तस्करी की लगातार खबरें सामने आने के बाद जिले के पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधिकारियों को कोयला कबाड़ चोरी के मामलों में सक्रियता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं,एसएसपी के निर्देश पर दो दिनों पूर्व जिले की साइबर सेल की टीम ने गायत्री खदान से चोरी का कोयला लोड कर बिश्रामपुर की तरफ आ रही ट्राला क्रमांक सीजी 15 एसी 4616 को पकड़कर वाहन चालक व क्लीनर को गिरफ्तार किया है लेकिन मामले का मुख्य सरगना अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है,मामले में गिरफ्तार वाहन चालक रामायण यादव निवासी केनापारा चौकी करंजी एवं अन्य युवक प्रताप सिंह निवासी लैंगा से आवश्यक पूछताछ के बाद मामले में अवैध कोयला खरीददार व सपलायर एवं ट्रक वाहन स्वामी की सरगर्मी से तलाश कर रही है।बिश्रामपुर थाना प्रभारी टीआई प्रकाश राठौर ने बताया कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी है,बताया जाता है कि महंगई सहित आसपास क्षेत्र के बड़ी संख्या में कोयला तस्कर युवकों को आगे कर खदान से कोयला चोरी कराकर उनसे किलो के हिसाब से मामूली भाव में कोयला खरीदी करते हैं और फिर आवश्यकता अनुसार जिले सहित संभाग के ईंट भट्ठों में चोरी का कोयला की खपत करते हैं,बताया जाता है कि गत वर्ष भी सूरजपुर एसपी के निर्देश पर कार्यवाही हुई थी जिसमें दो ट्राला अवैध कोयला को पकड़ते हुए पुलिस ने इसी क्षेत्र में कार्यवाही की थी,प्राप्त जानकारी अनुसार उस समय जिस ट्रक वाहन से कोयला तस्करी करते हुए पुलिस ने पकड़कर कार्यवाही की थी,अब पुनः हाल ही में दो दिन पहले भी इसी वाहन से कोयला तस्करी करने की घटना सामने आई है जिसके बाद यह स्पष्ट हो रहा है कि कोयला तस्कर अपने ट्रक वाहनों का उपयोग चुराए गये कोयला की अवैध सप्लाई में ही करते हैं एवं ईंट भट्टा की आड़ लेकर चोरी का कोयला बड़े पैमाने में खपाने का कार्य करते हैं।

ग्राम महंगई बाजार में जुआ खेल रहे दो जुआरी गिरफ्तार

अम्बिकापुर। क्षेत्र में गश्त कर रहे पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि महंगई बाजार में बड़ी संख्या में लोग एकत्र होकर हार जीत का दाव लगा रहे है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर दबिश देकर जुआ खेल रहे गांव के ही राजु यादव आ. राम लोचन यादव (22 वर्ष) व संतोष रवि आ. शिवचरण रवि (40 वर्ष) को पकड़ा जबकि पुलिस को आते देख कई जुआरी भागने में सफल हो गए। पुलिस मौके से 2 हजार 780 रुपए सहित 52 पत्ती जब्त किया। पुलिस ने दोनों जुआरियों के विरूद्ध जुआ एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया है।

पेज 1 के शेष...

नए साल के जश्न में सरगुजावासी...

शराब गटक गए थे। इसके बाद साल के अंतिम दिन यानी 31 दिसम्बर को सुरा प्रेमी 93 लाख 30 हजार 800 रूपए की शराब गटक गए है। आबकारी विभाग का राजस्व बढ़ाने में सिर्फ अंग्रेजी शराब के शौकीनों ने ही नहीं बल्कि देशी शराब के शौकीनों का भी अच्छा योगदान है। लोगों ने एक दिन में 19 लाख की शराब पी है। नए साल के जश्न में भी लगभग इतनी ही शराब की खपत होने का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि गुरूवार एवं मंगलवार के दिन शराब के विक्रय में कमी दर्ज की गई है। इस बार नए साल का जश्न गुरूवार को होने के कारण विक्रम में कमी आने की संभावना जताई जा रही है।
इस संबंध में आबकारी विभाग के सहायक संचालक लक्ष्मीकांत गायकवाड़ ने बताया कि 31 दिसम्बर को 93 लाख 30 हजार 300 की शराब बिकी है। इस दिन प्रीमियम शराब का विक्रय 9 लाख का हुआ है।

विभिन्न क्षेत्रों में 13 हजार एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में हो रही खेती

किसानों ने अपनी मेहनत से सरगुजा को बनाया सब्जी उत्पादन का हब

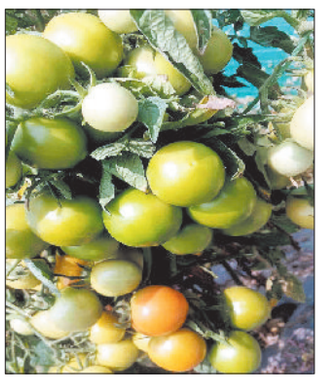

टमाटर एवं सेम की फसल।

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

क्षेत्र के किसानों ने अपनी मेहनत से सरगुजा को सब्जी उत्पादन का हब बना दिया है। सरगुजा में उत्पादित सब्जियां न केवल पड़ोसी राज्यों में निवासरत लोगों के भोजन का जायका बढ़ा रही हैं बल्कि पड़ोसी देश नेपाल एवं बांग्लादेश के लोगों की भी जरूरतें पूरी कर रही है।

खास बात
- सब्जी उत्पादन से किसानों को हो रहा अच्छा मुनाफा

तीन दशक पूर्व सरगुजा में बेहद कम मात्रा में सब्जियों का उत्पादन होता था। शहर के आसपास के क्षेत्रों में निवासरत बंगाली परिवार सब्जियों की खेती करते थे जबकि स्थानीय लोग सिर्फ आलू प्याज की खेती तक सीमित थे। स्थानीय जरूरतों को पूरी करने पड़ोसी राज्यों से सब्जियां मंगाई जाती थी। तब पत्थलगांव एवं लुड़ेग क्षेत्र में टमाटर की व्यापक स्तर पर खेती होती थी लेकिन बाजार उपलब्ध नहीं होने के कारण कृषकों को मिट्टी के मोल अपनी उपज बेचनी पड़ती थी। टमाटर की खेती में लगातार नुकसान होने के कारण किसानों ने टमाटर की खेती बंद कर दी जिससे सब्जियों की मांग पूरी तरह से पड़ोसी राज्यों पर निर्भर हो गई। वर्ष 2003 में सब्जी बीज निर्माता कंपनी ने विकासखण्ड लुण्ड्रा अंतर्गत ग्राम डूमरडीह में बरसात के दौरान एक किसान की आधा एकड़ जमीन में टमाटर की प्रदर्शन फसल लगवाया। फसल से किसानों को काफी आय हुई। इसके बाद गांव के अन्य किसानों ने भी टमाटर की खेती शुरू कर दी। टमाटर की खेती से किसानों को हो रहे मुनाफे से प्रेरित होकर अन्य किसान भी टमाटर की खेती के प्रति आकर्षित हुए तथा लुण्ड्रा ब्लॉक के गांव-गांव में टमाटर की खेती होने लगी। टमाटर का उत्पादन बढ़ने के साथ ही थोक व्यापारी सब्जियों के व्यवसाय में रूचि लेने लगे तथा व्यापारियों के माध्यम से सरगुजा का टमाटर पड़ोसी राज्य यूपी, बिहार, झारखण्ड एवं उड़ीसा की मंडियों में पहुंचने लगा। सब्जियों की भारी मांग एवं आय से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में किसान सब्जियों की खेती की ओर आकर्षित होने लगे। अब सरगुजा के किसान न केवल टमाटर बल्कि खीरा, बैंगन, गोभी, ब्रोकली, हरी मिर्च, शिमला मिर्च सहित विभिन्न सब्जियों की खेती कर न केवल अच्छी कमाई कर रहे हैं बल्कि हजारों लोगों को रोजगार दे रहे हैं।

लगातार बढ़ रहा रकबा

सब्जियों की खेती से अच्छी आमदनी होने के कारण अब लुण्ड्रा ब्लॉक में गांव-गांव में बड़े पैमाने पर टमाटर सहित अन्य सब्जियों की खेती हो रही है। सरगुजा के अन्य क्षेत्रों के किसान भी बड़े पैमाने पर सब्जियों की खेती कर रहे हैं। जानकारों के अनुसार सरगुजा में वर्तमान में 10 हजार एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में टमाटर एवं 3 हजार एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में खीरा, बैंगन सहित अन्य सब्जियों की खेती हो रही है। खास बात है कि उत्पादन का 10 फीसदी हिस्सा स्थानीय बाजारों में जबकि 90 फीसदी उपज का विक्रय दूसरे राज्यों में हो रहा है। अपनी उपज को दूसरे राज्यों में भेजने किसानों ने स्वयं का पिकअप खरीदा है। बाहर के व्यापारी किसानों से संपर्क कर सीधे उनके खेत से सब्जियां खरीद रहे हैं। सब्जी व्यापारी सरगुजा की सब्जियों को सीधे नेपाल की मंडियों में पहुंचा रहे हैं जबकि पश्चिम बंगाल के व्यापारी सरगुजा में उत्पादित सब्जियों को बांग्लादेश तक भेज रहे है। जिस तरह से सरगुजा में सब्जियों की फसल का रकबा बढ़ रहा है आने वाले दिनों में सब्जी उत्पादन के क्षेत्र में सरगुजा के किसानों की अलग पहचान बनेगी।

संसाधनों से बढ़ी सहुलियत

सब्जी उत्पादन में यह मुकाम हासिल करने में संसाधनों का भी अहम योगदान है। पिकअप से सब्जियां रातभर में 600 किमी दूर की मंडियों में पहुंच जा रही है। ड्रीप एरिगेशन से खीरा, बैंगन आदि के उत्पादन में गुणात्मक वृद्धि हुई है तथा विपरीत मौसम में भी किसान खीरा, हरी मिर्च, शिमला मिर्च आदि का व्यापक उत्पादन कर रहे हैं। प्लास्टिक के ट्रे के माध्यम से सरगुजा का टमाटर केरल, कर्नाटक एवं इलाहाबाद, गोरखपुर , नेपाल तक भेजना संभव हो सका है। संसाधनों के अभाव में न तो विपुल उत्पादन हो पाता न ही दूसरे राज्य की मंडियों तक सब्जियों का परिवहन करना ही संभव हो पाता।

दूर-दूर तक मांग

सरगुजा में उत्पादित सब्जियों की मांग दूर-दूर की मंडियों तक है। यहां की सब्जियां नेपाल, गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, पटना, मुजफ्फरपुर, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, केरल, कर्नाटक, दिल्ली की मंडियों में भेजी जा रही है। बाहर के भी व्यापारी सब्जियां खरीदने किसानों के खेत में पहुंच रहे हैं।
-काशी प्रसाद केशरी
अध्यक्ष, थोक सब्जी विक्रेता संघ

बाबा श्याम का भव्य संकीर्तन महोत्सव आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सूरजपुर

श्री श्याम सेवा समिति सूरजपुर द्वारा बाबा श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन आज 2 जनवरी को किया जा रहा है। आयोजन की तैयारियों को लेकर समिति द्वारा भव्य स्वरूप प्रदान करने के साथ श्याम रस की अलख जगाने के लिए श्याम जगत के भजन प्रवाहकों को आमंत्रित किया गया है। मुख्य आयोजन में श्री श्याम गुणगान शीतला पाण्डेय दिल्ली, पूजा नथानी कलकत्ता तथा अनमोल-शुभम कलकत्ता की जोड़ी विशेष रूप से बाबा श्याम की अलख जगाएंगे। श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव के द्वितीय संस्करण में रंगमंच मैदान में नगर पालिका के टेनसाईल डोम के नीचे विशेष रूप से बाबा का खजाना के रूप में भी एक ड्रा का भी आयोजन किया गया है।

- कलकत्ता के कारीगरों ने सजाया भव्य दरबार

इसके साथ ही बाबा का अलौकिक श्रृगांर, इत्र वर्षा व श्याम रसोई के साथ बाबा के महोत्सव को लेकर अभी से ही वातावरण धार्मिक हो गया है। आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बाबा के दरबार को विशेष रूप से फूलों से सजाने के लिए कलकत्ता के दरबार सेवकों को आमंत्रित किया गया है, जो बाबा के आकर्षक दरबार को मूर्तरूप देने में जुटे हैं। वहीं श्याम संकीर्तन में पप्पू महाराज के पावन सानिध्य में राहुल अग्रवाल शीश सेवा प्रदान करेंगे तथा ख्याति प्राप्त भजन गायकों के द्वारा एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन की तैयारियों को लेकर सुनील अग्रवाल, पप्पल अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, अमित रोहिल्ला, पवन अग्रवाल, रोहित गर्ग, रूपेश मित्तल, रवि अग्रवाल, राकेश बंसल, प्रियांशु जैन, सचिन अग्रवाल, रवि पाण्डेय, विक्की कुमार, राहुल पाण्डेय, सुमित रोहिल्ला, प्रियांश मित्तल, सचिन अग्रवाल, अंश मित्तल, आशीष, यश अग्रवाल, प्रणव अग्रवाल सहित श्री श्याम सेवा समिति के सदस्य जुड़े हुए है।

धान खरीदी केन्द्र के पूर्व समिति प्रबंधक को लेकर लामबंद हुए किसान, किया चक्काजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

धान खरीदी मंगारी में कार्यरत आजाद सिंह को हटाने को लेकर किसान न सिर्फ लामबंद हो गए बल्कि आज सरपंच के नेतृत्व में राष्ट्रीय राजमार्ग 43 मंगारी मुख्य मार्ग को जाम कर धरना प्रदर्शन करने लगे। सरपंचों के नेतृत्व में किसानों द्वारा अपनी मांग पूरी नहीं होने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग 43 को बाधित कर दिया है जिससे लगभग एक घंटे तक आवागमन बाधित रही और राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

मंगारी स्थित धान खरीदी केंद्र राष्ट्रीय राजमार्ग 43 से लगा हुआ है जहां पिछले वर्ष सेदम निवासी आजाद सिंह को धान खरीदी केंद्र मंगारी का प्रभारी बनाया गया था। 2 महीने पूर्व ही आवेदन देकर धान खरीदी से हटाने की मांग को लेकर एनएच 43 पर प्रदर्शन कर जाम किया गया था। जिसके बाद प्रशासन द्वारा आजाद सिंह को मंगारी धान के प्रभारी पद से हटा दिया गया था। वर्तमान में चंद्रमणि प्रधान को समिति प्रभारी बनाया गया है और आजाद सिंह मंगारी धान खरीदी केंद्र में व्यवस्था हेतु वर्तमान में कार्यरत है। जिस पर आज लेकर कांग्रेस समर्थित बतौली सरपंच संघ की अध्यक्ष सुशीला भगत सरपंच विशुनपुर, महावीर सरपंच कपाटबहरी, पारस राम मंगारी सरपंच के नेतृत्व में प्रशासन को आवेदन देकर आजाद सिंह को पूर्ण रूप से मंगारी से हटाने जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंप। इससे पूर्व सरपंचों द्वारा प्रशासन पर आरोप लगाते हुए मांग को पूरा करने 50 की संख्या में किसानों के साथ एनएच 43 पर प्रदर्शन करते हुए चक्का जाम कर दिया है और आजाद सिंह को हटाने को लेकर नारेबाजी की। लगभग 1 घंटे तक आवागमन पूरी तरह बंद रहा। घटना की जानकारी लगते ही बतौली तहसीलदार गोविंद सिन्हा, नायब तहसीलदार कृष्णा कंवर, सीतापुर थाना प्रभारी अखिलेश सिंह टीम के साथ पहुंच आवागमन सुचारू कराया।

इस संबंध में सीतापुर एसडीएम राम सिंह ठाकुर ने बताया कि किसानों की मांग पर आजाद सिंह को सोमवार को ही धान खरीदी केंद्र मंगारी से हटा दिया गया है। पुलिस व प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच चक्का जाम समाप्त करवा दिया है।

धान खरीदी प्रभावित होने पर स्टेडियम में शुरू हुई खरीदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ धौरपुर

धान का उठाव नहीं होने के कारण विकासखण्ड लुण्ड्रा की सहकारी समितियों का बुरा हाल है। सहकारी समिति धौरपुर में चारो तरफ धान का अंबार लग गया है वहीं अन्य समितियों में धान रखने की जगह नहीं बची है। धान खरीदी प्रभावित होने की सूचना पर आनन-फानन में स्टेडियम ग्राउंड में धान खरीदी प्रारंभ करना पड़ा।

- उठाव नहीं होने के कारण चारो तरफ लगा धान का अंबार
- अन्य समितियों का भी बुरा हाल

क्षेत्र की सहकारी समिति द्वारा लगातार किसानों का धान खरीदा जा रहा है। जिससे समिति परिसर में चारों तरफ धान का अंबार लग गया है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक प्रबंधन एवं समिति प्रबंधकों की लगातार पहल के बावजूद अभी धान का उठाव शुरू नहीं हो सका है जिससे समितियों में धान रखने की जगह नहीं बची है। धौरपुर समिति में धान रखने की जगह नहीं होने के कारण खरीदी बंद करने की स्थिति निर्मित हो गई। आनन-फानन में प्रशासन द्वारा स्टेडियम परिसर में धान खरीदी की व्यवस्था की गई तो किसानों को राहत मिली। सहकारी समिति द्वारा अब तक क्षेत्र के पंजीकृत 1091 किसानों में से मात्र 786 किसानों से 48630 क्विंटल धान खरीदा गया है। शेष बचे किसानों का 70 हजार क्विंटल से अधिक धान की खरीदी शेष बची है। मंगलवार को समिति में धान रखने की जगह नहीं होने की सूचना पर प्रशासन द्वारा स्टेडियम परिसर में धान खरीदने की व्यवस्था की गई है। इस व्यवस्था से किसानों के धान बेचने की समस्या तो हल हो गई है लेकिन समिति कर्मियों की समस्या बढ़ गई है।

अलग-अलग दो स्थानों पर धान का भण्डारण होने के कारण सुरक्षा के लिए समिति को अलग-अलग व्यवस्था करनी पड़ेगी। विकासखण्ड की अन्य सहकारी समितियों में भी धान रखने की जगह लगातार कम होते जा रही है। सहकारी समिति डूमरडीह, सहनपुर, ससौली, बटवाही एवं कुंदी में संग्रहित धान का उठाव अब तक शुरू नहीं हो पाया है। जिसके कारण धान रखने की जगह कम होते जा रही है। संग्रहित धान का उठाव जल्द शुरू नहीं किया तो कभी भी खरीदी प्रभावित होने की संभावना जताई जा रही है।

सबके सपने पूर्ण हों, रहे दिलों में हर्ष, दया महामाया करें, सुखद बने नववर्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

नववर्ष के उपलक्ष्य में तुलसी साहित्य समिति द्वारा मालवीय भवन में कवि चंद्रभूषण मिश्र और पं.रामनारायण शर्मा के आतिथ्य एवं पूर्व व्याख्याता सच्चिदानंद पाण्डेय की अध्यक्षता में सरस कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। संचालन कवि अजय सागर और आशा पाण्डेय ने किया।

कार्यक्रम का श्रीगणेश मां वीणावती की सामूहिक पूजा एवं कवयित्री पूनम दुबे वीणा द्वारा प्रस्तुत सुंदर सरस्वती-वंदना से हुआ। बीडी लाल और एसपी जायसवाल द्वारा रचित रामायणों में आंशिक पाठ पश्चात पं.रामनारायण शर्मा ने नववर्ष पर सबको हार्दिक बधाइयां देते हुए कहा कि भारत एक विशाल देश है। यहां की संस्कृति में विविधता और अनेकता में एकता के दर्शन होते हैं। वर्ष के प्रथम दिन में प्रसन्नता और उत्साह का होना स्वाभाविक है। हम नए वर्ष का स्वागत उत्साह-उमंग के साथ करें। कवयित्री माधुरी जायसवाल ने नववर्ष में मानवता के पुष्पित होने की कामना की। कवयित्री आशा पाण्डेय ने सबको आपार खुशियां मिलने की दुआ अपने दोहे में की- मिले प्यार – आदर सदा, खुशियां मिले अपार। सभी रहे सुख-शांति से, महक उठे संसार। कवयित्री रूबी सिद्धिकी ने संस्कार बढ़ाने की गुजारिश की- नई डगर, नए कदम, एक नया सवेरा हो। संस्कार हमारे उच्च शिखर पर हों। मानवता की खुशबू से नववर्ष का अभिनंदन हो। वरिष्ठ कवयित्री गीता दुबे ने इसे नई खुशी और उम्मीदों का संवाहक बताया। संस्था के अध्यक्ष कवि मुकुंदलाल साहू ने अपने दोहे में सरगुजा की देवी मां महामाया की कृपा से नया साल सबके लिए सुखमय होने की कामना की- सबके सपने पूर्ण हो, रहे दिलों में हर्ष। दया महामाया करे, सुखद बने नववर्ष। कवयित्री अंजू प्रजापति ने गोस्वामी तुलसीदास की कविता-जथा लाभ संतोष सदा काहू सों कछु न चहोंगो की भांति यह सलाह दी कि जो मिला नहीं, उसका शोर कम करें और जो मिला है, उसका शुक्रिया करें। यही भाव वरिष्ठ गीतकार रंजीत सारथी के सरगुजिहा गीत में भी गूंजित हुआ। कवि सम्मेलन में कवि प्रकाश कश्यप ने नूतन वर्ष में भी आम आदमी को राहत नहीं मिलने की बात कही। इनके अलावा कार्यक्रम में कवयित्री शिरीन खान की- सच का सदा साथ दिया है हमने, झूठ को मात किया है हमने, कवयित्री सीमा तिवारी की – जिंदगी क्या चीज है मैं अब तक समझ न पाई, कवि रामलाल विश्वकर्मा की-आओ कुछ ऐसा करते हैं, औरों की पीड़ा हरते हैं, कवि राजेन्द्र राज की देखा रे संगी महादेव के आवत हे बारात, कवि विनोद तिवारी की जेल में भी कैदी कवि ने गजब ढा दिया, कविता सुनाकर कई कैदियों को पागल बना दिया और कवि अजय सागर की जोड़ने की कला मैने सीखी उम्र भर और काटते-काटते तुम भी कट जाओगे जैसी रचनाओं ने श्रोताओं को सोचने-विचारने को बाध्य किया। अंत में यादव विकास की प्रेरक गजल से कार्यक्रम का सुखद समापन हुआ। धन्यवाद ज्ञापन पूनम दुबे वीणा ने किया। इस अवसर पर केके त्रिपाठी, लीला यादव, अजय सिंह, संतोष उपाध्याय, विनोद सिंह, उमाशंकर गुप्त सहित कई काव्यप्रेमी उपस्थित रहे।

हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना

हरिभूमि

प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें

रिंग रोड चोपड़ापारा, काली मंदिर के पास उड़िया
पण्डित काम्पलेक्स अम्बिकापुर मो. 9826154736

छात्रों को डेढ़ घंटे देरी से मिला बीकॉम तृतीय सेमेस्टर परीक्षा का प्रश्न पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

संत गहिरा गुरु विवि सरगुजा के परीक्षा विभाग व व्यवस्था की गुरुवार को असंवेदनशील कार्यप्रणाली उजागर हुई है। बीकॉम तृतीय सेमेस्टर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट की निर्धारित परीक्षा देने शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर पहुंचे छात्र सुबह से ही केंद्र में मौजूद थे,लेकिन परीक्षा कक्षों में प्रश्न-पत्रों के अभाव में उन्हें करीब डेढ़ घंटे तक इंतजार करना पड़ा,बताया जा रहा है कि सुबह 9 बजे शुरू होने वाली परीक्षा विश्वविद्यालय प्रशासन की भारी चूक की वजह से डेढ़ घंटे बाद शुरू हो सकी।

- सुबह 9 बजे निर्धारित समय के बदले 10 .30 बजे विलम्ब से परीक्षा शुरू कराई गई
- विद्यार्थियों ने झेली मानसिक प्रताड़ना, आजाद सेवा संघ ने मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की

आजाद सेवा संघ के रचित मिश्रा ने इस घटना को प्रणालीगत विफलता करार देते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाह कार्यशैली पर सवाल किये हैं,उन्होंने कहा कि संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा संभाग का सबसे बड़ा शैक्षणिक केंद्र है, जिसके अंतर्गत लगभग 90 महाविद्यालय संचालित होते हैं,यदि शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर में ऐसी अव्यवस्था हो सकती है,तो आशंका है कि संभाग के अन्य केंद्रों में भी यही हाल रहा होगा,यह कोई साधारण मानवीय भूल नहीं,बल्कि परीक्षा विभाग की गंभीर लापरवाही है,गौरतलब है कि शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर में नए वर्ष के दिन बीकॉम तृतीय सेमेस्टर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट की परीक्षा का समय सुबह 9 बजे तय था, लेकिन 10.30 बजे तक छात्र बिना प्रश्न-पत्र के बैठे रहे,डेढ़ घंटे की यह देरी न केवल अनुशासनहीनता का प्रमाण बनी, बल्कि छात्रों के आत्मविश्वास पर भी गहरा आघात पहुंचा,संघ के रचित मिश्रा के अनुसार जब परीक्षा में डेढ़ घंटे का विलंब हो चुका था, तो नियमों के अनुसार उसे रद्द कर दिया जाना चाहिए था,आधे-अधूरे मन से कराई गई परीक्षा विश्वविद्यालय की गलती पर पर्दा डालने की कोशिश है, घटना का सबसे बड़ा खामियाजा ग्रामीण अंचलों से आने वाले छात्रों को भुगतना पड़ा।आजाद सेवा संघ ने इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है,यह घटना न केवल एक परीक्षा की विफलता है, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की संवेदनशीलता और जिम्मेदारी पर बड़ा सवाल खड़ा करती है।